RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः326, रविवार, 11 जनवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित 03

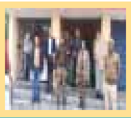

जनताफर्जी चिकित्सकों के बाद अब बिना लाइसेंस दवा दुकानों पर प्रशासन का शिकंजा 04

तापसी पन्नू को पैसे नहीं, पहचान की भूख; बोलीं- मैं यहां तिजोरी भरने... 07

भारत से पंगा लेना बांग्लादेश को पड़ा भारी

● क्रिकेट इक्वेपमेंट कंपनी स्पॉन्सरशिप लेगी वापस!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्ते बिल्कुल अच्छे नहीं हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं को मारा जा रहा है। इस बीच बीसीसीआई ने भी बड़ा फैसला लिया। उन्होंने आईपीएल में कोलकाता

नाइटराइडर्स द्वारा खरीदे गए बांग्लादेशी प्लेयर मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करवा दिया। इसके बाद विवाद और ज्यादा बड़ गया। बांग्लादेश ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत आने के लिए मना कर दिया। बांग्लादेश ने आईसीसी से रिक्वेस्ट की है कि उनके मैच भारत से बाहर करवाए जाएं। हालांकि, आईसीसी ने ऐसा करने से मना कर दिया है। इतना ही नहीं बल्कि बांग्लादेश ने अपने यहां आईपीएल भी बैन कर दिया है। वहीं अब भारत की लोकप्रिय क्रिकेट इक्वेपमेंट कंपनी अपनी स्पॉन्सरशिप खत्म कर सकती है।

भारत को वेनेजुएला का तेल बेचेगा अमेरिका

● ट्रंप सरकार तैयार, अमेरिका-नियंत्रित ढांचे के तहत होगा सौदा

वाशिंगटन (एजेंसी)। ट्रंप प्रशासन ने संकेत दिया है कि वह भारत को वेनेजुएला का कच्चा तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए तैयार है, लेकिन यह सब एक नए अमेरिका-नियंत्रित ढांचे के तहत होगा। यह कदम ऐसे

समय में आया है जब अमेरिका भारत पर रूसी कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के लिए दबाव बना रहा है और हाल ही में वेनेजुएला में अमेरिकी हस्तक्षेप के बाद राजनीतिक बदलाव हुए हैं। वरिष्ठ ट्रंप प्रशासन अधिकारी ने बताया कि वाशिंगटन वेनेजुएला के तेल को वैश्विक बाजार में बेचने के लिए तैयार है, जिसमें भारत भी शामिल है।

पंजाब की सरबजीत कौर की भारत वापसी अटकी

अमृतसर (एजेंसी)। पाकिस्तान में निकाह करने वाली पंजाबी महिला सरबजीत कौर की अभी भारत वापसी नहीं होगी। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने स्पेशल ट्रैवल परमिट पर रोक लगा दी है। इसके बाद पुलिस द्वारा

गिरफ्तार की गई सरबजीत कौर को पाकिस्तानी शेल्टर होम (दारुल अमान) में भेज दिया गया है। इस दौरान उसे पुलिस प्रोटेक्शन में रखा जाएगा। सरबजीत को वीजा एक्सपायर होने के मामले में पाकिस्तानी पुलिस ने 4 जनवरी को ननकाना साहिब से गिरफ्तार किया था। उसे उसी दिन भारत भेजा जाना था, लेकिन लाहौर हाईकोर्ट में केस पेंडिंग होने का हवाला देते हुए पाकिस्तानी गृह मंत्रालय ने इस पर रोक लगा दी है।

भारत ने भरी दुनिया के गरीब देशों की थाली

● चावल निर्यात 19.4 फीसदी बढ़कर रेकॉर्ड के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से चावल के निर्यात में पिछले साल 19.4 फीसदी बढ़ोतरी हुई और यह रेकॉर्ड करीब पहुंच गया। सरकार ने चावल के निर्यात पर लगी सारी पाबंदियां हटा दी थीं। इससे भारतीय चावल दूसरे देशों के लिए सस्ता और ज्यादा प्रतिस्पर्धी हो गया। रॉयटर्स ने सरकारी और इंडस्ट्री के अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। भारत दुनिया का सबसे बड़ा राइस एक्सपोर्टर है। भारत से सप्लाई बढ़ने के कारण थाईलैंड और वियतनाम जैसे दूसरे देशों के निर्यात में कमी आई। भारतीय निर्यात के कारण एशिया में चावल की कीमतें लगभग दस साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गईं।

इससे अफ्रीका और दूसरे गरीब देशों के उपभोक्ताओं को राहत मिली, क्योंकि उनके लिए चावल खरीदना सस्ता हो गया। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि सरकार ने मार्च में निर्यात पर लगी पाबंदियां हटाई थी जिसके बाद भारतीय चावल का निर्यात तेजी से बढ़ा। भारत में रेकॉर्ड उत्पादन होने से चावल की सप्लाई अच्छी हो गई थी। इसी वजह से भारत ने 2022 और 2023 में लगाई गई निर्यात पाबंदियों को पूरी तरह से हटा दिया। अधिकारी ने बताया कि 2024 में चावल का निर्यात बढ़कर 21.55 मिलियन मीट्रिक टन हो गया जबकि 2023 में यह 18.05 था।

राउरकेला में 9 सीटर चार्टर्ड विमान क्रैश

● पायलट समेत 9 लोग घायल, सभी अस्पताल में भर्ती

राउरकेला (एजेंसी)। ओडिशा के राउरकेला में शनिवार को एक 9-सीटर चार्टर्ड विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट सहित विमान में सवार सभी 9 लोग घायल हो गए। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही प्रशासन और राहत टीमें मौके पर पहुंचीं और सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अधिकारियों के अनुसार, घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है और किसी के जान को फिलहाल खतरा नहीं है। ये विमान इंडिन वन एयर का बताया जा रहा है। विमान में पायलट समेत कुल 9 लाग सवार थे। बताया जा रहा

है कि विमान राउरकेला से करीब 10 से 15 किलोमीटर दूर गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और संबंधित विभाग सक्रिय हो गए।

रेस्क्यू टीमों ने मौके पर पहुंचकर सभी यात्रियों को बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल भेजा। सभी घायलों को चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। वहीं, भुवनेश्वर से पर्यटन विभाग की एक टीम के भी मौके पर पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। प्रशासन ने बताया कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही हादसे के कारणों का पता चलेगा।

पीएम मोदी 17 को करेंगे पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश को पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मिलने जा रही है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जनवरी को पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। ये ट्रेन कोलकाता और गुवाहाटी के बीच चलेगी। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के शुभारंभ के साथ छह नई अमृत भारत एक्सप्रेस की शुरुआत भी की जा रही है। यात्रियों के लिए

इन ट्रेनों की सेवाएं 17 और 18 जनवरी से मिलने लगेंगी। प्रधानमंत्री मोदी 17 जनवरी को पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन से देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। ये ट्रेन सप्ताह में 6 दिन कामाख्या और हावड़ा जंक्शन के बीच चलेगी। यात्रियों के लिए 6 नई अमृत भारत एक्सप्रेस की शुरुआत भी की जा रही है। समारोह में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह बताया।

हमारे मंदिरों को लूटा गया और हम बेबस देखते रहे

● एनएसए डोभाल बोले-हमें इतिहास का बदला लेना है

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शुक्रवार को कहा कि भारत की आजादी बहुत बड़ी कीमत पर मिली है। पीढ़ियों ने अपमान, विनाश और भारी नुकसान झेला। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे इतिहास से प्रेरणा लेकर राष्ट्र का पुनर्निर्माण करें और अपने मूल्यों, अधिकारों तथा विश्वासों पर आधारित एक मजबूत और महान भारत का निर्माण करें। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के उद्घाटन समारोह में दिए गए भाषण में डोभाल ने कहा- यह स्वतंत्र भारत हमेशा से इतना स्वतंत्र नहीं रहा जितना आज दिखता है। हमारे पूर्वजों ने इसके लिए बहुत बड़े त्याग किए। उन्होंने भारी अपमान सहे, गहरी असहायता के दौर देखे। बहुत से लोगों को फांसी दी गई... हमारे गांव जला दिए गए। हमारी सभ्यता नष्ट हो गई। हमारे मंदिरों को लूटा गया और हम बेबस होकर देखते रहे। यह इतिहास हमारे सामने एक चुनौती पेश करता है कि आज भारत के हर युवा के अंदर वह आग होनी चाहिए। 'बदला' शब्द सही नहीं है, लेकिन बदला अपने आप में एक शक्तिशाली ताकत है। हमें अपने इतिहास का बदला लेना है। हमें इस देश को वापस उस जगह ले जाना है जहां हम अपने अधिकारों की बात कर सकें।

अयोध्या के राम मंदिर में नमाज पढ़ने की कोशिश

● परिसर में घुसे 2 युवक और 1 युवती पकड़े गए

सभी ने खुद को कश्मीर का रहने वाला बताया

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम जन्मभूमि परिसर में शनिवार सुबह 3 लोग घुस गए और नमाज पढ़ने की कोशिश करने लगे। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत उन्हें रोका और हिरासत में ले लिया। पकड़े गए लोगों में 1 युवक, एक 56 साल का व्यक्ति और 1 युवती शामिल है। इन लोगों ने खुद को कश्मीर का रहने वाला बताया है। अभी तक किसी ने इसकी पुष्टि नहीं की है कि आरोपी कौन हैं और कहां के रहने वाले हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीनों संदिग्ध हरकतें कर रहे थे। तीनों से राम मंदिर परिसर में बने पुलिस कंट्रोल रूम में पूछताछ की जा रही है कि वो अयोध्या क्यों आए थे। तीनों राम मंदिर के गेट 1 से घुसे। इसके बाद सीता रसोई के पास अबू अहमद शेख नमाज पढ़ने के लिए बैठ गया। पुलिसवालों ने उसे उसे ऐसा करते देखते ही हिरासत में ले लिया। वह कश्मीर के शोपियां का रहने वाला है। वहीं, पकड़ी गई लड़की नाम सोफिया है।

दूसरे युवक का नाम अभी पता नहीं चल पाया है। दरअसल, राम मंदिर में एंट्री करने के दौरान सिर्फ चेकिंग होती है। आधार कार्ड या किसी अन्य परिचय पत्र को चेक नहीं किया जाता। इसी का फायदा उठाकर तीनों राम मंदिर परिसर में एंट्री कर गए। इसके बाद तीनों सीता रसोई तक जा पहुंचे, जो मुख्य मंदिर से सिर्फ 200 मीटर दूर है। यहां नमाज पढ़ने की कोशिश की। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने जब उन लोगों को रोका, तो उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी।

वहीं, घटना की सूचना मिलते ही खुफिया एजेंसियां, स्थानीय पुलिस और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी सक्रिय हो गए हैं। हालांकि, इस मामले पर जिला प्रशासन ने फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। राम मंदिर ट्रस्ट ने भी पूरे प्रकरण पर चुप्पी साध रखी है। यहां अब हर दिन करीब डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर रुका है, खत्म नहीं हुआ

● सीडीएस अनिल चौहान बोले-पाकिस्तान इसमें बुरी तरह हारा

इमरजेंसी जैसे हालात के लिए स्टैंडर्ड सिस्टम डेवलप कर रहे

पुणे (एजेंसी)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर केवल रुका है, खत्म नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स जैसा नया पद बनाना पड़ा। ये पद तीनों सेनाओं को सेंट्रलाइज्ड करने के लिए बनाया गया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ने पाकिस्तान को संवैधानिक संशोधन करने के लिए मजबूर किया। ये इस बात का सबूत है कि पड़ोसी देश को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। अनिल चौहान ने शुक्रवार को पुणे पब्लिक पॉलिसी फेस्टिवल में ये बाते कहीं। उन्होंने कहा कि हम इमरजेंसी हालातों में लागू करने के लिए एक स्टैंडर्ड सिस्टम डेवलप कर रहे हैं। भारत में प्रस्तावित संयुक्त थिएटर कमांड को लागू करने की समय सीमा 30 मई 2026 तक बढ़ाई गई है। सशस्त्र बल इस व्यवस्था को तय समय से पहले लागू करने की दिशा में काम कर रहे हैं। पाकिस्तान में किए गए बदलावों से पता चलता है कि ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान की कई कमियां सामने आईं।

गुजरात में अमिताभ की जमीन की कीमत 30 गुना बढ़ी

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात में गांधीनगर के शाहपुर में अमिताभ बच्चन ने 2011 में करीब 5.72 एकड़ (14 बीघा) जमीन 7 करोड़ रुपए में खरीदी थी। उस वक्त अमिताभ की पोती अराध्या का जन्म हुआ था। 15 साल बाद इस जमीन की कीमत 30 गुना बढ़कर 210 करोड़ रुपए हो गई है। अब इस जमीन पर अमिताभ के बेटे अभिषेक बच्चन ने कमर्शियल और रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट के लिए मुंबई के लोटस डेवलपर्स से डील की है। इस समझौते के अनुसार डेवलपर कंपनी डिजाइन और कंट्रक्शन का काम करेगी। हालांकि जमीन बच्चन परिवार की होगी। प्रोजेक्ट पर काम शुरु होने के बाद इसे पूरा होने में 4 साल लग जाएंगे। यह जमीन अमिताभ बच्चन ने सीधे खुद नहीं खरीदी थी। उनकी तरफ से पावर ऑफ अटॉर्नी (कानूनी प्रतिनिधि) के रूप में कंपनी के एमडी राजेश ऋषिकेश यादव ने सौदा किया।

शक्सगाम घाटी हमारी, उसकी रक्षा करेंगे

● भारत का चीन-पाकिस्तान को सख्त संदेश ● सेना ने कहा-किसी समझौते को नहीं मानते

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन और पाकिस्तान की ओर से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के विस्तार की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद, भारत ने इस पर कड़ा एतराज जताया है। इस प्रस्तावित विस्तार में पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर और शक्सगाम घाटी को शामिल किए जाने पर भारत सरकार ने इसे सीधे तौर पर अपनी संप्रभुता का उल्लंघन करार दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में स्पष्ट किया कि शक्सगाम घाटी भारत का अभिन्न हिस्सा है और भारत ने कभी भी चीन-पाकिस्तान के बीच हुए तथाकथित 1963 के 'बाउंड्री एग्रीमेंट' को मान्यता नहीं दी है। पाकिस्तान ने 1963 में अवैध रूप से शक्सगाम घाटी स्थित 5,180 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र को चीन को सौंप दिया था, जो उन क्षेत्रों का हिस्सा था जिन पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा था। रणधीर जायसवाल ने कहा- भारत ने लगातार यह रुख रखा है कि चीन-पाकिस्तान समझौता अवैध और अमान्य है।

शक्सगाम में यथास्थिति बदलने की कोशिश पर आपत्ति

प्रवक्ता ने बताया कि भारत ने शक्सगाम घाटी में जमीनी हकीकत बदलने की किसी भी कोशिश के खिलाफ चीन के समक्ष औपचारिक विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने यह भी कहा- हमने शक्सगाम घाटी में जमीनी हकीकत को बदलने के प्रयासों के खिलाफ चीनी पक्ष के साथ लगातार विरोध जताया है। हम अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। जायसवाल ने ताइवान के पास चीनी सैन्य अभ्यासों पर सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने का आग्रह किया। उन्होंने कहा- भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रखता है। व्यापार, अर्थव्यवस्था, जन-संबंधी और समुद्री हितों को देखते हुए इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखना हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

● सियाचिन के करीब नई सड़क पर नजर-अधिकारियों के मुताबिक, भारतीय सेना ने चीन की ओर से बनाई जा रही यारकंद-आघिल-शक्सगाम सड़क पर बारीकी से नजर रखी है। यह सड़क सियाचिन ग्लेशियर के उत्तरी पहुंच मार्ग और साल्टोरो रिज से महज 30-50 किलोमीटर की दूरी पर बताई जा रही है। भारतीय सैटेलाइट इमेजरी विशेषज्ञों द्वारा किए गए ओपन-सोर्स विश्लेषण से यह भी सामने आया है कि चीन के ए 219 हाईवे से शक्सगाम के निचले हिस्से की ओर एक नई सड़क निकाली गई है। यह सड़क सियाचिन ग्लेशियर के उत्तरी छोर पर स्थित इंदिरा कॉल से लगभग 50 किलोमीटर उत्तर में जाकर समाप्त होती है।

जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब क्रिएटर है माहेश्वरी समाज

● जोधपुर में अमित शाह बोले-सदियों तक यह समाज देश की सेवा करता रहे

कहा-समाज के दिए हुए भामाशाहों की सूची बनाएंगे तो कई पेज भर जाएंगे

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर में अमित शाह ने कहा- माहेश्वरी समाज जॉब सीकर नहीं रहा, जॉब क्रिएटर रहा है। ऐसे ही सदियों तक यह समाज देश की सेवा करता रहे। राम मंदिर पर पुस्तक लिख रहा युवक मेरे पास आया। उसने बताया कि राम मंदिर में कुर्बानी देने वाले महेश्वरी समाज से थे।

● **स्वदेशी के साथ स्वभाषा का भी उपयोग करें-** केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा- देश को हर क्षेत्र में सर्वप्रथम लाने के लिए तीन चीजें जरूरी हैं, जिन्हें माहेश्वरी समाज कर सकता है। पहली, जो उत्पादन करते हैं तो वो करिए, लेकिन साथ में ऐसी चीजों का उत्पादन भी करें, जो भारत में नहीं बनती है। दूसरी, स्वदेशी। जितना हो सके, उतना स्वदेशी चीजों का उपयोग करें। यह तय कर लें कि मेरे देश में बनी है, उसी चीज का व्यापार करूंगा। स्वदेशी के साथ स्वभाषा का भी उपयोग करें। जब मुगलों के साथ लड़ते थे तो राजा-महाराजा के खजाने भरने का काम माहेश्वरी समाज ने किया। महात्मा गांधी की लड़ाई का खर्च माहेश्वरी समाज ने उठाया।

संक्षिप्त समाचार

शीतलहर के चलते स्कूलों के समय में बदलाव, 8वीं तक सुबह 9:30 से पहले व शाम 4 बजे बाद कक्षाओं पर रोक

मोतिहारी। जिले में लगातार कम तापमान और शीतलहर की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्कूलों के संचालन समय में परिवर्तन का आदेश जारी किया है। जिला दंडाधिकारी सौरभ जोरवाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी निजी एवं सरकारी विद्यालयों (प्री-स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्र सहित) तथा कोचिंग संस्थानों में कक्षा 8वीं तक के लिए शैक्षणिक गतिविधियों पर 14 जनवरी 2026 तक सुबह 9:30 बजे से पहले और अपराह्न 4:00 बजे के बाद प्रतिबंध लगाया गया है। यह निर्णय बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, क्योंकि वर्तमान मौसम विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। हालांकि, परीक्षा के लिए संचालित विशेष कक्षाओं और परीक्षाओं को इस आदेश से मुक्त रखा गया है। जिला प्रशासन ने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया है कि वे आदेश के अनुरूप शैक्षणिक गतिविधियों के समय में आवश्यक बदलाव सुनिश्चित करें। गौरतलब है कि इससे पूर्व जिले में 10 जनवरी 2026 तक 12वीं कक्षा तक के लिए शैक्षणिक गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ठंड और मौसम की स्थिति की लगातार समीक्षा की जा रही है और परिस्थितियों के अनुसार आगे भी आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।

बिहार में उद्योग के विकास के लिए व्यावसायियों की सलसह जरूरी : रूंगटा

पटना। बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा अपने प्रांगण में राज्य सरकार द्वारा गठित बिहार राज्य उद्यमी एवं व्यवसाय आयोग के अध्यक्ष सुरेश कुमार रुंगटा जी का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर राज्य के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। अभिनंदन सह संवाद कार्यक्रम में उद्योग एवं व्यवसाय से जुड़ी अन्य संस्थाओं एवं संगठनों द्वारा भी अध्यक्ष को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर बिहार राज्य उद्यमी एवं व्यवसाय आयोग के अध्यक्ष सुरेश कुमार रुंगटा ने अपने संबोधन में कहा कि उद्यमियों की प्रगति, राज्य की आर्थिक उन्नति एवं रोजगार सृजन के लिए उद्योग एवं व्यवसाय की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि औद्योगीकरण सरकार के प्राथमिक एजेंडे में शामिल है और इस दिशा में सरकार ठोस एवं सकारात्मक प्रयास कर रही है। आयोग विभिन्न औद्योगिक एवं व्यवसायिक संस्थाओं से संवाद कर उनके सुझावों को संकलित कर सरकार तक पहुंचाएगा। अपने संबोधन में अध्यक्ष श्री खेतान ने राज्य सरकार द्वारा औद्योगीकरण को बढ़ावा देने हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार द्वारा उठाए गए सार्थक कदमों के निश्चित रूप से सकारात्मक एवं सुखद परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में नए निवेश को आकर्षित करने के लिए सरकार द्वारा अनेक प्रकार की प्रोत्साहन सुविधाओं की घोषणा की जा रही है, जो स्वागतयोग्य है। साथ ही उन्होंने यह भी जोर दिया कि कार्यरत उद्योगों का संरक्षण एवं संवर्धन अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यही उद्योग बाहरी निवेश के लिए एंबेसडर की भूमिका निभाते हैं।अध्यक्ष श्री खेतान ने सरकार के डिलीवरी मैकेनिज्म को और सशक्त बनाने, सिंगल विंडो सिस्टम को प्रभावी रूप से व्यवस्थित एवं लागू करने तथा घोषित नीतियों का लाभ समय पर और पूर्ण रूप से उद्यमियों तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार की सहायता एवं सिंगल विंडो सिस्टम की आवश्यकता केवल नए निवेशकों को ही नहीं, बल्कि कार्यरत उद्यमियों एवं औद्योगिक इकाइयों को भी है, क्योंकि उन्हें अनेक व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं के समाधान हेतु एक स्थायी तंत्र अथवा संस्था की स्थापना आवश्यक है। कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों द्वारा उद्योग एवं व्यवसाय से संबंधित अपने-अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का समापन बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के महासचिव अमरनाथ जयसवाल द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

बिहार के युवाओं को मिलेगा सरकारी संस्थानों में इंटर्नशिप का सुनहरा अवसर

पटना। बिहार सरकार के युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा इंटर्नशिप योजना का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य 18 से 28 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को कौशल विकास, व्यावहारिक कार्य अनुभव एवं आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर प्रदान करना है। योजना के तहत पात्र युवाओं को राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों, निगमों, शैक्षणिक संस्थानों, राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों में इंटर्नशिप का अवसर दिया जा रहा है। इंटर्नशिप के दौरान युवाओं को डेटा एंट्री, प्रयोगशाला सहायक, पुस्तकालय सहायक, सोशल मीडिया प्रबंधन, वित्त, मानव संसाधन, हिंदी टाइपिंग सहित प्रशासनिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में कार्य का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। इंटर्नशिप की अवधि 3 से 12 माह तक होगी। शैक्षणिक योग्यता (बारहवीं से स्नातकोत्तर) के अनुसार 4,000 से 6,000 प्रतिमाह तक स्टाइपेंड प्रदान किया जाएगा। गृह जिले के बाहर (बिहार के भीतर) इंटर्नशिप करने पर प्रारंभिक तीन माह तक 2,000 प्रतिमाह तथा अन्य राज्यों में इंटर्नशिप की स्थिति में 5,000 प्रतिमाह की अतिरिक्त सहायता DBT के माध्यम से दी जाएगी। इंटर्नशिप पूर्ण होने पर BSDM एवं संबंधित विभाग द्वारा संयुक्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। आगामी पाँच वर्षों में 1,05,000 युवाओं को इंटर्नशिप देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस योजना से भारतीय होटल प्रबंधन संस्थान, हाजीपुर, आर्ट एंड डिज़ाइन कॉलेज, पटना, चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना सहित कई प्रतिष्ठित संस्थान जुड़ चुके हैं। साथ ही 30 राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय एवं 20 राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों ने भी पंजीकरण कराया है। बिहार कौशल विकास मिशन ने राज्य के सभी पात्र युवाओं से मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा पोर्टल पर पंजीकरण कर इस योजना का लाभ उठाने की अपील की है। यह योजना बिहार के युवाओं के रोजगारोन्मुख भविष्य की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है।

बसावन पार्क ने जीता अनूप-अजीत मेमोरियल अंडर-13 क्रिकेट टूनार्मेंट का खिताब

पटना। पांचवीं अनूप अजीत अंडर-13 मेमोरियल क्रिकेट टूनार्मेंट के फाइनल मुकाबले में बसावन पार्क क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डोनी पोलो को 124 रनों से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। यह मुकाबला वाईसीसी क्रिकेट अकादमी ग्राउंड, पटना में खेला गया। खिलाड़ियों को डॉ अनुज कुमार सिन्हा, अनित कुमार सिन्हा, समाजसेवी रंजीत कुमार सिंह ने पुरस्कृत किया। सबों का स्वागत कोच संतोष कुमार ने किया। इस मौके पर कोच अजीत सिंह, राहुल जी समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बसावन पार्क क्रिकेट अकादमी की टीम ने निर्धारित 25 ओवरों में 9 विकेट पर 203 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से रोहन सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 50 गेंदों पर 69 रन बनाए, जिसमें 12 चौके शामिल थे। उनके अलावा स्वाजित धस्कट ने 24 रन और अरुणाभ राय ने 20 रनों का योगदान दिया।लक्ष्य का पीछा करने उतरी डोनी पोलो की टीम बसावन पार्क के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण के सामने टिक नहीं सकी और 13.3 ओवरों में मात्र 79 रन पर सिमट गई।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति सम्मानके लिए यूपीए सरकार ने लाया था मनरेगा योजना : रौशन

एजेंसी

पटना।केंद्र सरकार द्वारा लाए गए नए वीबी-जीआरएएम-जी अधिनियम के दुष्प्रभावों के विरुद्ध प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम, पटना में आयोजित पटना महानगर कांग्रेस कमेटी की ओर से संवाददाता सम्मेलन आयोजित की गई। इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए पटना महानगर कांग्रेस के पर्यवेक्षक रौशन कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति सम्मानके लिए यूपीए सरकार ने लाया था मनरेगा योजना आज एनडीए सरकार उसको समाप्त कर बापू के सपने को चकनाचूर कर रही है।रौशन सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाया गया नया वीबी-जीआरएएम-जी अधिनियम मनरेगा की मूल भावना पर सीधा हमला है। यह कानून गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण जनता के रोजगार के अधिकार को कमजोर करने वाला है। उन्होंने

कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि करोड़ों गरीब परिवारों की आजीविका की वैधानिक गारंटी है, जिसे किसी भी कीमत पर खत्म नहीं होने दिया जाएगा। कांग्रेस पार्टी इस मनरेगा विरोधी नीति के खिलाफ पूरे प्रदेश में जन-जन को जागरूक करेगी और सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। मनरेगा बचाओ संग्राम के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव, पंचायत-पंचायत जाकर केंद्र सरकार की नीतियों की सच्चाई जनता के सामने रखेंगे।पटना महानगर कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक रौशन कुमार सिंह ने कहा कि मनरेगा देश के करोड़ों ग्रामीण परिवारों के लिए केवल एक योजना नहीं, बल्कि काम के अधिकार और सम्मानजनक आजीविका की गारंटी है। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित शइ-ऋफअट-ऋ विधेयक मनरेगा की आत्मा को कमजोर करने वाला, संघीय ढांचे पर प्रहार करने वाला और गरीब-मजदूर विरोधी कदम है। इसके दुष्परिणाम ग्रामीण रोजगार, मजदूरी भुगतान, सामाजिक सुरक्षा और पंचायती राज व्यवस्था पर आधारित आंदोलन करेंगे।इस संघर्ष का उद्देश्य केंद्र सरकार को उसकी जिम्मेदारी याद दिलाना, राज्यों पर डाले जा रहे आर्थिक बोझ को उजागर करना और मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में बहाल कराना है। पटना महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शशि रंजन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी स्पष्ट करती है कि यह संघर्ष संविधान, लोकतंत्र और गरीबों के अधिकारों की रक्षा के लिए है। हम मनरेगा श्रमिकों, पंचायत प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से अपील करते हैं कि वे इस जनांदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लें और मनरेगा को कमजोर करने की किसी भी साजिश को सफल न होने दें। इस मौके पर महानगर कांग्रेस के प्रवक्ता निशांत करपटनेय, डॉ परवेज हुसैन, विकास वर्मा, शिवम राज, रूमा सिंह मौजूद थे।

महासंघ (गोप गुट) ने बिहार के कर्मचारियों को बेहतर ईलाज की सुविधा हेतु कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ देने की मांग की

एजेंसी

पटना।महासंघ (गोप गुट) की ओर से महासचिव प्रेमचंद कुमार सिन्हा ने मुख्यमंत्री, बिहार को पत्र लिखकर मांग किया है कि राज्यकर्मियों एवं सेवानिवृत कर्मियों को बेहतर ईलाज हेतु कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना की सुविधा लागू की जाये l इस सम्बन्ध में कई बार अनुरोध किया गया है लेकिन अभी तक इस विषय पर राज्य सरकार द्वारा कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जा सका है। श्री सिन्हा ने कहा कि पिछले वर्ष विधायक, विधान पार्षद, पूर्व विधायक, पूर्व विधान पार्षद महोदय को कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान करने सम्बन्धी प्रस्ताव बिहार विधान मण्डल में पारित किया जा चुका है लेकिन कर्मचारियों को इससे अलग रखा गया है जो कर्मचारी हित में उचित नहीं है l उन्होंने आगे कहा है कि राज्यकर्मियों को बाह्य चिकित्सा हेतु प्रति माह 1000 का भुगतान किया जाता है तथा गंभीर रूप से बीमार अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की स्थिति में उपचार पर किये गये व्यय की राशि की प्रर्तिपूर्ति की व्यवस्था है,जो इलाज के पश्चात संबंधित कर्मियों द्वारा इलाज से संबंधित विपत्र जमा करने के बाद भुगतान किया जाता है l जिसमें कई माह अथवा वर्षों का समय व्यतीत हो जाता है l गंभीर रूप से बीमार अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने पर इस बढ़ती महंगाई में राज्यकर्मी स्वयं अपना अथवा परिजनों का बेहतर इलाज पैसे के अभाव में तत्काल कराने में अक्षम साबित होते हैं अथवा कर्ज लेना पड़ता है जिससे आर्थिक कठिनाई और बढ़ जाती है l फलतः आर्थिक तंगी के कारण कभी-कभी बेहतर इलाज नहीं करा पाने के स्थिति में अपने लोगों को खोना भी पड़ जाता है, जो काफी असहनीय हो जाता है इसलिए महासंघ(गोप गुट) द्वारा कर्मचारी हित में राज्यकर्मियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा से लाभान्वित करने की मांग की गई है l

वर्चुअल माध्यम से जदयू के महासदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक, प्रदेश अध्यक्ष ने दिए निर्देश

एजेंसी

पटना।जदयू के महासदस्यता अभियान 2025-28 की समीक्षा को लेकर प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में शनिवार को दो चरणों में पार्टी की वर्चुअल बैठकें आयोजित की गईं। प्रथम चरण की बैठक में सांसद, बिहार विधान मंडल दल के सदस्य, विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी, जिलाध्यक्ष/कार्यकारी जिलाध्यक्ष तथा नगर अध्यक्ष वर्चुअल माध्यम से जुड़े। वहीं, दूसरे चरण की बैठक में विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षगण एवं पार्टी के प्रमुख साथी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने महासदस्यता अभियान को ऐतिहासिक सफलता सुनिश्चित करने को लेकर पार्टी नेताओं एवं कार्यकतार्ओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी साथी अपने-अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें और सदस्यता अभियान को और अधिक गति दें। उन्होंने यह भी कहा

» सदस्यता अभियान की ऐतिहासिक सफलता के लिए जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाएँ कार्यकर्ता : उमेश

कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर एक करोड़ से अधिक सदस्यों को जोड़ने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए पार्टी के प्रत्येक साथी को आपसी सहयोग, समन्वय और साझा प्रयास के साथ ग्राउंड लेवल पर सघन अभियान चलाकर कार्य करना है, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को नई ताकत प्रदान करनी है तथा संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत बनाना है। श्री कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सुशासन की कार्यशैली ने बिहार की तस्वीर बदली है, गांव-टोलों तक विकास की रोशनी पहुंचाई है और उनकी नीतियों से समाज के सभी वर्गों के जीवन में युगांतकारी परिवर्तन हुआ है। उन्होंने सभी से अपील की कि जनसंपर्क अभियान चलाकर आम लोगों को अपने नेता के कार्यों से अवगत कराएँ और अधिक से अधिक नए सदस्य बनाएं। बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि विधानसभा चुनाव के समय जो लोग पार्टी-विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए गए थे, उन्हें किसी भी परिस्थिति में सदस्यता प्रदान न की जाए। पार्टी की विचारधारा एवं अनुशासन को सर्वोपरि रखते हुए सदस्यता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी ने कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन किया।कार्यक्रम में मुख्यालय प्रभारी अनिल कुमार, महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डा रंजू गीता, वरिष्ठ नेता सह पूर्व विधायक अशोक कुमार मुन्ना, विधायक सह जिलाध्यक्ष बबलू मंडल, विधायक डा मांजरीक मृणाल तथा वासुदेव कुशवाहा की उपस्थिति रही।

राज्य में 44 लाख से अधिक किसानों का ई-केवाईसी, 12 लाख से अधिक फार्मर आईडी तैयार : रामकृपाल

एजेंसी

पटना।कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने पटना जिला अंतर्गत दानापुर अंचल के हथियाकंद पंचायत में एग्री स्टेक परियोजना के तहत संचालित किसानों की फार्मर रजिस्ट्री एवं ई-केवाईसी प्रक्रिया का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंजीकरण कार्य की प्रगति, तकनीकी व्यवस्था तथा किसानों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उन्होंने ने कहा है कि फार्मर रजिस्ट्री, एग्री स्टैक परियोजना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटक है, जिसका उद्देश्य राज्य में कृषि सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं किसानोन्मुख बनाना है। इसके अंतर्गत प्रत्येक किसान की फार्मर आईडी तैयार की जा रही है, जिसमें किसान के भूमि संबंधी विवरण को आधार से जोड़ा जा रहा है, ताकि किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के मिल सके।मंत्री ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री का कार्य प्रारंभ करने से पूर्व राज्य के पाँच जिलों—सारण, गया, पूर्वी चंपारण, पूर्णिया एवं भागलपुर—के दो-दो राजस्व ग्रामों में पायलट के रूप में किया गया था। इसके पश्चात राज्य के सभी जिलों के कुल 44500 राजस्व गाँवों का बकेटिंग कार्य पूर्ण कर अप्रैल माह से फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। शेष गाँवों की बकेटिंग के लिए भारत सरकार से अनुरोध किया गया है, जो अब प्राप्त हो गया है।अब तक कृषि विभाग के कर्मियों द्वारा 44 लाख से अधिक किसानों का ई-केवाईसी किया जा चुका है तथा बकेट सत्यापन के उपरांत 12 लाख 34 हजार से अधिक फार्मर आईडी तैयार की जा चुकी हैं, जिनमें 7 लाख 58 हजार से अधिक पीएम-किसान लाभार्थी शामिल हैं। कृषि मंत्री ने किसानों से अपील की है कि फार्मर रजिस्ट्री को सफल बनाने हेतु 11 जनवरी 2026 तक चलाए जा रहे विशेष अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और समय पर अपनी फार्मर आईडी बनवाकर सरकारी योजनाओं का निर्बाध लाभ सुनिश्चित करें।फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया में कृषि विभाग के कर्मियों द्वारा किसानों का ई-केवाईसी किया जा रहा है, जबकि राजस्व विभाग के राजस्व कर्मचारी बकेट सत्यापन का कार्य कर रहे हैं। इस समन्वित प्रयास से फार्मर आईडी निर्माण की प्रक्रिया को गति मिली है।मंत्री ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री का मुख्य उद्देश्य राज्य में संचालित सभी कृषि एवं इससे संबंधित किसान कल्याण योजनाओं को वास्तविक और पात्र किसानों तक सीधे पहुँचाना है। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्राप्त करने वाले सभी किसानों के लिए फार्मर आईडी को अनिवार्य कर दिया गया है। आगामी किस्त का लाभ प्राप्त करने हेतु इन सभी लाभुकों को अनिवार्य रूप से फार्मर रजिस्ट्री कैंप में भाग लेकर फार्मर रजिस्ट्री वेब पोर्टल/ऐप के माध्यम से बायोमेट्रिक अथवा फेस ऑथेंटिकेशन द्वारा सत्यापन कराते हुए भूमि संबंधी दावा दर्ज करना होगा।उन्होंने बताया कि एग्री स्टैक परियोजना के अंतर्गत राज्य के किसानों की फार्मर आईडी तैयार करने के लिए बिहार भूमि के डाटाबेस को समेकित किया गया है। प्रत्येक राजस्व ग्राम में समान नाम एवं पिता के नाम वाली जमाबंदियों का ऑनलाइन बकेट तैयार कर राज्य को उपलब्ध कराया गया है, जिसके आधार पर राज्य स्तर पर फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया जा रहा है।

सामाजिक संस्था ने बांटे जरूरतमंदों को कंबल

एजेंसी

पटना। पटना में लगातार बढ़ती ठंड और शीतलहर को देखते हुए माँ शक्ति ज्योतिष आध्यात्मिक एवं योग शोध सेवा संस्थान तथा प्रभु आहार सेवा फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से एक मानवीय पहल करते हुए जक्कनपुर एवं शहर के अन्य क्षेत्रों में जरूरतमंदों के बीच सैकड़ों कंबलों का वितरण किया गया।इस सेवा कार्य का उद्देश्य ठंड से प्रभावित असहाय, वृद्ध, महिला एवं गरीब वर्ग के लोगों को राहत पहुँचाना था। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर संतोष और राहत की झलक देखने को मिली। इस अवसर पर माँ शक्ति ज्योतिष आध्यात्मिक एवं योग शोध सेवा संस्थान के अध्यक्ष शम्भु प्रसाद बाबा ने कहा कि ह्लआध्यात्मिकता का वास्तविक अर्थ केवल साधना नहीं, बल्कि पीड़ित मानवता की सेवा है। इस भीषण ठंड में जरूरतमंदों को कंबल देना हमारे लिए पुण्य और कर्तव्य दोनों है। समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर ऐसे कार्यों में सहयोग करना चाहिए।ह्व वहीं प्रभु आहार सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष राकेश कुमार ने कहा की ह्लप्रभु आहार सेवा फाउंडेशन का उद्देश्य हमेशा से भूख, ठंड और पीड़ा से जूझ रहे लोगों की मदद करना रहा है। माँ शक्ति ज्योतिष संस्थान के सहयोग से किया गया यह कंबल वितरण कार्यक्रम समाज में सेवा और संवेदना का संदेश देता है।ह्व राकेश कुमार ने बताया कि आने वाले दिनों में ठंड को देखते हुए सेवा कार्य आगे भी जारी रहेगा, ताकि कोई भी जरूरतमंद ठंड के कारण परेशान न हो। इस कार्यक्रम में शंभु प्रसाद(बाबा) , राकेश कुमार , संजय सिंह , अनुपमा सिंह , आशुतोष गुप्ता , जगदीप धवन , राजन कुमार , मनीष कुमार सिन्हा , राजेश प्रसाद , लाला प्रसाद , नवल किशोर प्रसाद एवम दिलीप कुमार गुप्ता सहित अन्य शामिल हुए ।

ब्लैकलिस्टेड कंपनी को दिया गया परीक्षा कराने का जिम्मा : एसोशिएशन

एजेंसी

पटना।बिहार ऑनलाइन एसोसिएशन के द्वारा बिहार परीक्षा केंद्र एस एस सी के द्वारा सेंटर चयन प्रक्रिया में गड़बड़ी को लकर प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें. बिहार ऑनलाइन एग्जामिनेशन एसोसिएशन सचिव निशु निशांत ने बताया कि इनोवेटिव व्यू और इनोवेटिव व्यू इंडिया लिमिटेड बिहार के सभी एग्जामिनेशन सेंटरों पर दबाव बना रही है.बिहार में दो सौ एग्जामिनेशन सेंटर है।आज तक सभी सेंटरों ने ईमानदारी से परीक्षा कराई. लेकिन आज एस एस सी के द्वारा ब्लैकलिस्टेड कंपनी इनोवेटिव व्यू को नियम के विपरीत जाकर परीक्षा कराने का जिम्मा दिया गया। इनोवेटिव व्यू को झारखंड सरकार ने दो साल के लिए बैन किया गया है। तमिलनाडु सरकार ने इस कंपनी ने पाँच साल के लिए प्रतिबंध किया है। हमारी माँग है की बापू परीक्षा केंद्र और आदर्श परीक्षा केंद्र के मैनेजमेंट में शामिल इनोवेटिव व्यू की जाँच की जाएँ। .इनोवेटिव व्यू इंडिया लिम्टेड की एक गड़बड़ी उत्तरप्रदेश से आई यू पी अधीनस्थ सेवा चयन परीक्षा में गलत ढंग से टेंडर डाला था। इसके अलावा इस कंपनी के कई लोग कई परीक्षाओं के भ्रष्ट्राचार में शामिल रहे है। निशु निशांत ने एस एस एस सी चेयरमैन से आग्रह है की हमारे बारे में सोचा जाए .हमने कई सालों से सफलता पूर्वक लगातार परीक्षा करा रहे है। वरना हमारे दो सौ सेंटर में कार्यरत लोग बेरोजगार हो जाएंगे।हमें अपने एग्रीमेंट के तहत परीक्षा कराने की कृपा की जाए। परीक्षा को किसी एक व्यक्ति के हाथों में नहीं सौंपा जाए। इससे एग्जामिनेशन में गड़बड़ी होगी।

सुशील कुमार मोदी की जयंती पखवाड़ा पर पटना में ऐतिहासिक एक दिवसीय महिला क्रिकेट प्रतियोगिता

एजेंसी

पटना।सुशील कुमार मोदी की जयंती पखवाड़ा के अवसर पर सुशील कुमार मोदी विचार मंच के तत्वावधान में राजधानी पटना के शाखा मैदान, राजेन्द्रनगर में आगामी 11 जनवरी को एक भव्य एक दिवसीय महिला क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।आयोजन समिति के अनुसार, इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना, राज्य की उभरती महिला क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मजबूत मंच प्रदान करना तथा स्व. सुशील कुमार मोदी के विचारों, सिद्धांतों और उनके सामाजिक योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। प्रतियोगिता में पटना समेत बिहार के विभिन्न जिलों से आई महिला क्रिकेट टीमें हिस्सा लेंगी और आपस में रोमांचक मुकाबले खेलेंगी। इस बड़े आयोजन की खास बात यह होगी कि प्रतियोगिता के दौरान बिहार के उपमुख्यमंत्री, सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक सहित राजनीतिक, सामाजिक और खेल जगत से जुड़े कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति की प्रबल संभावना है। इनके आगमन से महिला खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा और आयोजन को नई पहचान मिलेगी। सुशील कुमार मोदी विचार मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि जयंती पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और खेलकूद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें यह महिला क्रिकेट प्रतियोगिता एक महत्वपूर्ण कड़ी है। आयोजन स्थल पर खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए आवश्यक सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था और खेल संबंधी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंच ने राजधानीवासियों, खेल प्रेमियों, युवाओं और महिलाओं से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में शाखा मैदान, राजेन्द्रनगर पहुंचकर इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनें और महिला क्रिकेट खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें।

बेगूसराय व बाढ़ को राज्य जूनियर बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप का खिताब

एजेंसी

पटना।बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में पूर्वी चम्पारण जिला बॉल बैडमिंटन संघ के द्वारा गांधी मैदान मोतिहारी में आज सम्पन्न हुए 32वीं बिहार राज्य जूनियर बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप के बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में बेगूसराय ने किलकारी पटना को 35-25,35-26 से पराजित कर एवं बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले में बाढ़ ने बेगूसराय को 35-14,35-17 से पराजित कर चैंपियनशिप का खिताब प्राप्त किया। बालक वर्ग में मेजबान पूर्वी चम्पारण व सिवान को एवं बालिका वर्ग में मेजबान पूर्वी चम्पारण व किलकारी पटना को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। इससे पूर्व खेले गए बालक वर्ग के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में बेगूसराय ने पूर्वी चम्पारण को 35-23,35-16 से व दूसरे सेमीफाइनल में किलकारी ने सिवान को हराया। जबकि बालिका वर्ग के पहले सेमीफाइनल में बाढ़ ने किलकारी को 35--26,24-35,35-28 से व दूसरे सेमीफाइनल में बेगूसराय ने पूर्वी चम्पारण को 35-14,35-16 से पराजित किया। बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में विजेता बेगूसराय की ओर से शशांक, छोटू, आर्यन, गुलशन ने, उपविजेता किलकारी की ओर से गौरव, सौरभ, सचिन ने एवं बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले में विजेता बाढ़ की ओर से सुहानी,रिया, रितु, स्नेहा ने व उपविजेता बेगूसराय की ओर से माही,कशिश,लीली ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। फाइनल मैच के उपरांत विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों के बीच पुरस्कार वितरण जिला खेल पदाधिकारी शुभम कुमार,सीनियर मैनेजर पंजाब नेशनल बैंक राजीव चौबे, अर्जुन कुमार,बिहार नागरिक परिषद के सदस्य अमरेंद्र सिंह, जिला बीस सूत्री सदस्य सुनील भूषण ठाकुर, बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव गौरी शंकर ने किया। अध्यक्षता रमेश कुमार भोलाजी ने किया। अतिथियों का स्वागत जिला सचिव दीपक सिंह काश्यप ने एवं धन्यवाद ज्ञापन सीआरपीएफ पदाधिकारी लोकेश पांडेय ने किया। इस अवसर पर बिहार बॉल बैडमिंटन अनुसाशन समिति के चेयरमैन राजीव सिन्हा, के.के.सिन्हा,साउथ एशियन गोल्ड मेडलिस्ट अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दीपक प्रकाश रंजन, संगीता कुमारी, तुलसी कुमारी,तकनीकी पदाधिकारी विकास कुमार,सतीश कुमार,मनीष सिंह,राहुल कुमार, रोहित कुमार, आशीर्वाद कुमार सहित अनेक खेलप्रेमी उपस्थित थे।

सोमनाथ मंदिर के 75 साल पूरा होने की पूर्व सध्या पर पंचरूपी हनुमान मंदिर में जले 101 दीपक

एजेंसी

पटना।विश्व प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर के 75 साल पूरा होने की पूर्व संध्या पर देशभर में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन पूरे में मनाया गया। इसी के तहत राजवंशी नगर स्थित पंचरूपी हनुमान मंदिर स्थित शिवमंदिर में 101 दीपक जलकार उत्सव मनाया गया। इस मौके पर मंदिर प्रबंध न्यास समिति के सदस्य सह मीडिया समन्वयक आलोक कुमार ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत मंदिर प्रबंध न्यास समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन ने अपनी पत्नी एकता किशोर के साथ दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर देश का गौरव के

साथ-साथ देश में समुद्री मार्ग से आने वाले विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र है उसके 75 साल पूरा होने पर देशवासियों को गर्व होना चाहिए और इस पर्व को उत्साह के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रविवार को पंचरूपी हनुमान मंदिर स्थित शिव मंदिर में अभिषेक किया जायेगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में भक्तों ने भी दीपोत्सव में हिस्सा लेकर मिलकर दीप जलाये। कार्यक्रम में मंदिर प्रबंध न्यास समिति सदस्य आलोक कुमार, प्रेम कुमार, मुख्य पुजारी संतोष तिवारी, पुजारी शिवकांत झा, धीरज कुमार, ओम तिवारी, बिरजु मिश्रा,सुबोध तिवारी, साकेत परासर, कार्यालय प्रभारी ओमप्रकाश शर्मा, संजीव रंजन व उमेश प्रसाद मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

मकर संक्रांति के अवसर पर जिला प्रशासन करेगा पतंग महोत्सव का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में शनिवार को उनके कार्यालय कक्ष में पदाधिकारियों की बैठक हुई जिसमें मकर संक्रांति के अवसर पर मोतिहारी स्थित गांधी मैदान में जिला प्रशासन के द्वारा पतंग महोत्सव के आयोजन का निर्णय लिया गया। मकर संक्रांति का अवसर पर 14 जनवरी को दिन के 11:30 बजे गांधी मैदान में पतंग उत्सव का आयोजन किया जाएगा साथ ही साथ यहां पर फुटबॉल मैच क का भी आयोजन किया जाएगा। फुटबॉल मैच के आयोजन के लिए जिला खेल पदाधिकारी को निर्देश दिया गया। उक्त बैठक में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, उप समाहर्ता नजारत प्रेमलता, उप समाहर्ता निधि कुमारी, जिला खेल पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (शिक्षा विभाग), जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सहित प्रोफेसर अरुण कुमार पूर्व प्राचार्य एमएस कॉलेज, रंगकर्मी संजय पांडेय, अभय अनंत उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने किया महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का भ्रमण

बीएनएम @ मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा शनिवार को मोतिहारी स्थित महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (महिला आईटीआई) का भ्रमण कर वहां दिए जा रहे प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने संस्थान में चल रहे प्रशिक्षण कार्य की गुणवत्ता, प्रशासनिक व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में इलेक्ट्रीशियन और इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक के प्रशिक्षणार्थियों से दिए जा रहे प्रशिक्षण के संबंध में पूछताछ की गई एवं जानकारी प्राप्त की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी के साथ पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात एवं उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार भी उपस्थित थे।

10 हजार के इनामी शराब माफिया शंकर मुखिया पिपराकोठी पुलिस ने दबोचा

बीएनएम @ मोतिहारी। शराब तस्करी और फरार अपराधियों के खिलाफ मोतिहारी पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में पिपराकोठी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 10 हजार रुपये के इनामी वांछित शराब माफिया शंकर मुखिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूचना मिलने के बाद 10 जनवरी 2025 को पिपराकोठी पुलिस ने थाना कांड संख्या 52/23 (उत्पाद अधिनियम) में कार्रवाई करते हुए शंकर मुखिया को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी शंकर मुखिया, पिता–कमल मुखिया, निवासी–हथियाही, थाना–पिपराकोठी का रहने वाला है। उस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने बताया कि शंकर मुखिया का आपराधिक इतिहास भी गंभीर है। उसके खिलाफ पिपराकोठी थाना में उत्पाद अधिनियम के तहत चार मामले पहले से दर्ज हैं, जिनमें कांड संख्या 268/21, 198/23, 164/24 और 403/25 शामिल हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ जारी है और उसके खिलाफ अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष पु.अ.नि. ब्रजेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी की। टीम में पु.अ.नि. शशि भूषण कुमार, चौकीदार और सशस्त्र बल के सदस्य शामिल थे।

घोड़ासहन में पकड़ी पिकअप पर विवाद — पुलिस बोली, वैध बिल पर हो रहा था व्यवसाय"

सागर सूरज

मोतिहारी । भारत-नेपाल सीमा से सटे घोड़ासहन थाना क्षेत्र में चाइनीज लहसुन से लदी एक पिकअप पर मचा बवाल अब नए मोड़ पर है।

पुलिस पर लगाए गए आरोपों पर सीकरहना अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी उदय शंकर ने सफाई दी है।

डीएसपी उदय शंकर के अनुसार, पिकअप वाहन वैध जीएसटी बिल और व्यवसायिक दस्तावेज के साथ चल रहा था। जांच में यह पाया गया कि वाहन में लहसुन व्यवसाय के लिए लाई जा रही थी, न कि तस्करी कर ।

कुछ स्थानीय तत्वों ने वाहन को बीच रास्ते में रोककर पुलिस और मीडिया को फोन किया, जिससे मामला अनावश्यक रूप से सनसनीखेज़ बन गया।

डीएसपी ने कहा — "पुलिस ने मौके पर ही बिल की जांच कर वाहन को छोड़ दिया था। लेन-देन या रिश्वत की बातें बिल्कुल निराधार हैं। पुलिस ने नियमों के मुताबिक कार्यवाही की है।

ऐसे मामलों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने से रंगदारी प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है।

"ग्रामीणों के अनुसार, कुछ स्थानीय लोग व्यावसायिक गतिविधियों में रंगदारी की नीयत से व्यवधान डाल रहे है, जिससे व्यापारी वर्ग में भय का माहौल बनता है।

हालांकि, सूत्रों के मुताबिक पुलिस द्वारा प्रस्तुत जीएसटी बिल की वैधता पर विशेषज्ञों ने सवाल उठाए हैं।

उपलब्ध बिल गौरी गणेश ट्रेडर्स, घोड़ासहन ने काटा है, जबकि चालान सूरज सुपर मार्किट, खरसलवा, कवईया को काटा गया है — जो नेपाल सीमा से सटा हुआ गांव मे अवस्थीत है।

व्यापार जानकारों का कहना है कि यदि लहसुन वास्तव में चीनी मूल का है, तो कारोबारी के पास चीन या नेपाल से आयात का फाइटोसैनिटरी सर्टिफिकेट और भन्सार दस्तावेज़ होना चाहिए।

सिर्फ स्थानीय जीएसटी बिल के आधार पर वस्तु छोड़ना जाँचनीय पहलू है।

> » "स्थानीय दबंगो ने रोककर दबाब बनाने की कोशिश की "

जानकारों का यह भी कहना है कि यह वही पुराना मॉडस ऑपरेण्डी है — जहां तस्कर रात के अंधेरे में नेपाल के खेत मार्ग से चीनी लहसुन बोरे मे भारत लाते हैं, और पकड़े जाने पर स्थानीय फर्मों के बिल दिखाकर वैध व्यापार का रूप दे देते हैं।

अब चुकी पिकअप छूट चूका है तो गौरी गणेश ट्रेडर्स भी इस तथ्य क़ो स्वीकार करने मे आना कानी कर सकते है कि लहसुन चीनी ही था लेकिन वीडियो और फोटो मे लहसुन स्पष्ट रूप से चीनी प्रतीत होता है।

पुलिस की दलील है कि जब तक किसी प्रोडक्ट का बिल और टैक्स दस्तावेज़ वैध दिखते हैं, तब तक कार्रवाई करना कानूनी रूप से कठिन होता है।

इस वजह से पुलिस कई बार सीमित अधिकार के चलते ऐसी ट्रकों को छोड़ने को बाध्य होती है।

बावजूद इसके, वर्तमान प्रकरण में सवाल यह उठता है कि क्या उपलब्ध दस्तावेज़ों की गहन जांच की गई थी या नहीं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि सच्चाई स्पष्ट करने के लिए भन्सार नेपाल, एसएसबी और कृषि विभाग की संयुक्त जांच आवश्यक है।

तभी यह साबित होगा कि यह वैध व्यापार था या सीमा पार तस्करी का नया तरीका। लेकिन हर मामले मे ऐसी जाँच भी पुलिस के लिए थोड़ी ठेड़ी है।

हरसिद्धि में मादक पदार्थ तस्करी का भंडाफोड़, 2.064 किलो मादक पदार्थ के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि।

हरसिद्धि पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हरसिद्धि थाना क्षेत्र से दो तस्करों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार के नेतृत्व में की गई। पुलिस ने आरोपियों के पास से 2.064 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किया है, जिसे वे अपाचे बाइक से ले जा रहे थे। मौके से बाइक भी जब्त कर ली गई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो तस्कर मादक पदार्थों की खेप लेकर हरसिद्धि थाना क्षेत्र से गुजरने वाले हैं। सूचना मिलते ही एक विशेष टीम का गठन कर संभावित स्थानों पर निगरानी शुरू की गई। इसी दौरान एक स्कूल के पास मादक पदार्थ की डिलीवरी के समय पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों तस्करों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की

जा रही है, ताकि तस्करी से जुड़े पूरे नेटवर्क, मादक पदार्थ के स्रोत और उसके गंतव्य का पता लगाया जा सके। गिरफ्तार तस्करों की पहचान पश्चिम चंपारण जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र निवासी विशाल कुमार और डब्लू कुमार के रूप में हुई है। पुलिस उनके आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और इस अवैध कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में तस्करों के बीच हड़कंप मच गया है।

5 हजार के इनामी शराब माफिया लड्डू सहनी सहित उसका भाई नन्दु सहनी गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के भादा पंचायत अंतर्गत दामोवृति गांव में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 5,000 रुपये के इनामी व वांछित शराब माफिया लड्डू सहनी को गिरफ्तार किया गया है। इसी कार्रवाई में उसके भाई और कुख्यात शराब कारोबारी नन्दु सहनी को भी पुलिस ने दबोच लिया। हरसिद्धि थाना कांड संख्या 723/25 में वांछित लड्डू सहनी, पिता–ललन सहनी, निवासी–दामोवृति, थाना–हरसिद्धि, जिला–पूर्वी चंपारण पर 5,000 रुपये का इनाम घोषित था। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, लड्डू सहनी का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध हरसिद्धि थाना में उत्पाद अधिनियम के तहत कांड संख्या 798/25, 65/22,

132/22 और 292/23 सहित कई मामले दर्ज हैं। वहीं उसके भाई नन्दु सहनी पर भी हरसिद्धि थाना में लगभग आधा दर्जन आपराधिक मामले दर्ज बताए जा रहे हैं, जिनमें शराब तस्करी से जुड़े गंभीर आरोप शामिल हैं। इस छापेमारी अभियान का नेतृत्व परिक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने किया। टीम में परि. पु. अ. नि. अविनाश कुमार, सिपाही रमेश कुमार, फुल कुमार महलदार, विशाल कुमार, चौकीदार प्रमोद कुमार तथा सिपाही मनु यादव शामिल थे।

विश्व हिंदी दिवस पर डॉ. श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में संगोष्ठी आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

शहर के भवानीपुर जिरात स्थित डॉ. श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में शनिवार को हिंदी विभाग की ओर से विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय "वर्तमान परिप्रेक्ष्य और हिंदी भाषा में संभावना" रखा गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नलिन विलोचन ने दीप प्रज्वलन कर किया। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. कुमारी रोशनी विश्वकर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज भाषा के समक्ष कई चुनौतियाँ हैं। बोलियाँ धीरे-धीरे लुप्त हो रही हैं, जबकि भाषा और उससे जुड़ी बोलियों को संरक्षित रखना आवश्यक है, क्योंकि बोलियों के जीवित रहने

से ही साहित्य और भाषा की संभावनाएँ सुदृढ़ होती हैं। मुख्य वक्ता मुंशी सिंह महाविद्यालय के आचार्य डॉ. गौरव भारती ने हिंदी भाषा के विकास की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए ब्रजभाषा से खड़ी बोली तक के क्रम को समझाया। उन्होंने तकनीकी युग में हिंदी की बढ़ती उपयोगिता, रोजगार की संभावनाओं और नई शिक्षा नीति में मातृभाषा पर दिए जा रहे जोर की चर्चा की। महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. डॉ. अरुण कुमार ने हिंदी को नवजागरण की सशक्त भाषा बताया। अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नलिन विलोचन ने हिंदी को भावनाओं की अभिव्यक्ति का प्रमुख माध्यम बताया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग की कुमारी रंजना ने किया।

भारत-नेपाल सीमा पर सतर्कता बढ़ी: रक्सौल से श्रीलंकाई नागरिक गिरफ्तार

सागर सूरज/ विक्की विजेंदर

मोतिहारी। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र स्थित रक्सौल बॉर्डर पर सुरक्षा एजेंसियों ने संदिग्ध गतिविधियों पर अपनी सतर्कता और बढ़ा दी है।

शुक्रवार दोपहर सीमा चौकसी के दौरान इंडो-नेपाल मैत्री पुल पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) की 47वीं बटालियन ने नेपाल से भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे एक श्रीलंकाई नागरिक को पकड़ा।

यह गिरफ्तारी नियमित जांच अभियान के दौरान हुई।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान श्रीलंका निवासी हनीफ कांची के रूप में की गई है। तलाशी में उसकी पासपोर्ट, वीजा या भारत में प्रवेश से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला।

एसएसबी जवानों ने उसके पास से नेपाली करेंसी, श्रीलंकाई पहचान पत्र, मोबाइल, कैमरा और कुछ निजी वस्तुएं बरामद कीं। प्रारंभिक पूछताछ के बाद उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए हरैया थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

अवैध आवागमन का गढ़ बनता बॉर्डरभारत-नेपाल की लगभग 1,751 किलोमीटर लंबी खुली सीमा में रक्सौल-वीरगंज मार्ग सबसे संवेदनशील बिंदु माना जाता है।

यह क्षेत्र बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में पड़ता है और नेपाल के तराई इलाके तक सीधा संपर्क रखता है।

सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण यहां मानव तस्करी, विदेशी नागरिकों का अवैध घुसपैठ, नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी जैसी चुनौतियाँ लंबे समय से बनी हुई हैं।

अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के इस खुले स्वरूप का फायदा उठाकर कई संदिग्ध गिरोह सक्रिय हैं, जिन पर सुरक्षा एजेंसियां लगातार नजर रखती हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय– हनीफ कांची की गिरफ्तारी के बाद एसएसबी, इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB), और एनआईए (NIA) जैसी सुरक्षा एजेंसियों

ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है।

प्रारंभिक स्तर पर यह पता लगाया जा रहा है कि क्या इस विदेशी नागरिक का किसी अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क या तस्करी गिरोह से संबंध है। एजेंसियों को इस बात की भी जांच करनी है कि क्या वह भारत में ठहरने या किसी मिशन के संबंध में आया था।

स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त पूछताछ जारी है, जबकि सीमा पर निगरानी तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से हो रही संदेहास्पद आवाजाही ने यह जरूरी बना दिया है कि हर गतिविधि पर डिजिटल सर्विलांस और इंटेलिजेंस समन्वय को और मजबूत किया जाए।

पुलिस और आम नागरिकों के बीच संवाद है जरूरी: डीआईजी

बीएनएम @ मोतिहारी

शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में अकाउंटेबिलिटी ऑफ पुलिस टुवर्ड्स सिटीजंस विषय पर शनिवार को एक कार्यशाला आयोजित की गई। उक्त कार्यशाला का शुभारंभ चंपारण प्रक्षेत्र के डीआईजी हरि किशोर राय, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार, आईएमए के अध्यक्ष डॉ. टीपी सिंह, मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अंगद सिंह, जिला विधिक संघ के सचिव राजीव द्विवेदी, महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पूर्व महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार ने अतिथियों का स्वागत अपने कक्ष में अंगवस्त्र और पौधा देकर किया। चंपारण रेंज के डीआईजी हरि किशोर राय

ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों को कानून की बारीकियों से अवगत कराया साथ ही उन्होंने उपस्थित डॉक्टर्स, अधिवक्ताओं एवं व्यवसायियों से पुलिस से ज्यादा से ज्यादा संपर्क में रहकर समाज में सुधार लाने की अपील भी की। जिले के पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए बताया कि आधुनिक तकनीक के द्वारा कैसे बेहतर पुलिसिंग की जा सकती है। उन्होंने संक्षेप में ही जिले में आम नागरिकों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों की भी चर्चा की तथा लोगों को पुलिस तक पहुंचने में नहीं डरने की सलाह दी। आईएमए अध्यक्ष डॉ. टीपी सिंह ने सभी अतिथियों का अपने संगठन के माध्यम से स्वागत किया। मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अंगद सिंह ने अपने संगठन के द्वारा समाज हित में किए जा रहे कार्यों से सबको अवगत कराया। पूर्वी चंपारण विधिक संघ के सचिव राजीव द्विवेदी ने बताया कि पुलिस और अधिवक्ता के सहयोग से ही आम नागरिकों को न्याय मिल सकता है। कार्यशाला में अधिवक्ता दक्ष ने पीपीटी प्रेजेंशन के माध्यम से अनेक जरूरी अधिकारों से लोगों को अवगत कराया। वहीं डॉ. आशुतोष कुमार ने भी डॉक्टर्स की समस्याओं से उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों को अवगत कराया। मौके पर डॉ. तबरेज अजीज, डॉ. परवेज अजीज, अधिवक्ता राकेश सिंहा, प्रमोद शंकर सिंह, पप्पू दुबे, डॉ. के.के कृष्णा सहित एनएसएस स्वयंसेवकों ने भी उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों से अनेक प्रश्न पूछे। वहीं डीआईजी हरि किशोर राय एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने भी काफी सहजता से सभी के प्रश्नों का जवाब दिया। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि इस तरह के आयोजन से पुलिस और आम नागरिकों के बीच की दूरी घटेगी। कार्यशाला में प्रशिक्षु आईपीएस हेमंत कुमार, सदर डीएसपी दिलीप कुमार, पकड़ीदयाल डीएसपी कुमार चंदन, साइबर डीएसपी अभिनव पाराशर, ढाका डीएसपी उदय शंकर, यातायात डीएसपी उमेश कुमार, मुख्यालय डीएसपी सुनील कुमार, यातायात डीएसपी, बगहा, राजेश कुमार, प्रशिक्षु डीएसपी प्रियंका कुमारी, एसडीपीओ रामनगर, रागिनी कुमारी प्रशिक्षु डीएसपी अंकित कुमार, नगर थानाध्यक्ष राजीव कुमार, अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार, डॉ. सीबी सिंह, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. कुणाल कृष्णा, श्यामबाबू सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मौजूदा सरकार धर्म के नाम पर देश को बांटकर खत्म करना चाहती है रोजगार- गप्पू राय

> » नया कानून मनरेगा की वैधानिक गारंटी को समाप्त करता है और ग्राम पंचायतों एवं ग्राम सभाओं के अधिकारों को कमजोर करता है।

बीएनएम @ मोतिहारी

शहर के बंजरिया पंडाल स्थित गांधी आश्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष इंजीनियर शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि "मनरेगा बचाओ संग्राम राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन" के सफल क्रियान्वयन केन्द्र सरकार के नये VB-GRAM-G अधिनियम के विरूद्ध मनरेगा बचाओ अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। श्री राय ने बताया कि यह नया कानून मनरेगा की वैधानिक गारंटी को समाप्त करता है और ग्राम पंचायतों एवं ग्राम सभाओं के अधिकारों को कमजोर करता है। इससे स्पष्ट है कि केन्द्र को आवंटन में नियंत्रण बढ़ेगा तथा पंचायतों की शक्ति कम होगी। श्री राय ने कहा कि देश पहले ही कोरोना का दंश झेल चुका है जिससे मजदूरों का पलायन बड़ी संख्या में हुआ है, लेकिन सरकार ने नये कानून लगाकर पलायन रोकने के बजाय मजदूरों के पलायन को और बढ़ा दिया है। श्री राय ने चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार जैसे गरीब राज्य को अपने हिस्से का 40 प्रतिशत देना होगा जो कि कतई संभव नहीं है, जबकि पूर्व में 90 प्रतिशत की राशि राज्यों को केन्द्र सरकार द्वारा दी जाती थी। उन्होंने

यह भी कहा कि अब आवंटन राज्यों को प्राप्त होगा या नहीं इसकी कोई गारंटी नही है, क्योंकि केन्द्र इस कानून से शक्तिशाली हो गया है और राज्यों पर वित्तीय बोझ बढ़ेगा जिससे और विकासात्मक कार्य रूकेंगे। कहा कि रोजगार विरोधी सरकार स्थानीय निकायों को कमजोर कर बेरोजगारी बढ़ाना चाहती है, जबकि बापू का सपना था कि ग्राम पंचायतें स्वायत होगी और मजबूती से स्थानीय समस्याओं पर कार्य करेगी, लेकिन मौजूदा सरकार धर्म के नाम पर देश को बांटना चाहती है। रोजगार खत्म करना चाहती है और फिर से देश को गुलामी की ओर धकेलना चाहती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दो में कहा कि राज्यों से बिना चर्चा के संघीय ढांचा को कमजोर किया जा रहा है जो मनरेगा के आत्मा पर सिधे हमला है। श्री राय ने यह भी कहा कि पूरे देश में मनरेगा बचाओ संग्राम चलाया जायेगा और आवश्यकता परी तो कॉग्रेस काम मांगो अधिकार चलायेगी।

संक्षिप्त समाचार

आरडीएस कॉलेज की छात्रा अंशु कुमारी का सात दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण के लिए चयन

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर। आरडीएस कॉलेज मुजफ्फरपुर के राजनीतिक विज्ञान विभाग की फोर्थ सेमेस्टर की छात्रा अंशु कुमारी का चयन मेरा युवा भारत एवं बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तहत आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए हुआ है। यह प्रशिक्षण 6 जनवरी से 13 जनवरी तक भारत सरकार एवं बिहार सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पटना स्थित द ईगल व्यू प्रशिक्षण केंद्र में संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान छात्रा को आपदा प्रबंधन, आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों से संबंधित व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम की समाप्ति पर प्रतिभागी छात्रा को प्रमाण पत्र एवं इमरजेंसी किट प्रदान की जाएगी। जिससे वे आपात परिस्थितियों में प्रभावी और सुरक्षित ढंग से कार्य कर सकें। छात्रा की इस उपलब्धि पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशि भूषण कुमार, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. नीलिमा झा, विभागाध्यक्ष रजनीकांत पांडे एवं चंदन कुमार सहित अन्य शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए अंशु कुमारी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

तुरकौलिया में बाल श्रम पर बड़ी कार्रवाई, 5 दुकानदारों पर एफआईआर, बाल श्रमिक विमुक्त

बीएनएम @ तुरकौलिया। तुरकौलिया में बाल श्रम के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए विभिन्न प्रतिष्ठानों पर काम करा रहे पांच दुकानदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी संगीता कुमारी के आवेदन पर की गई है। संगीता कुमारी ने बताया कि सूचना मिली थी कि तुरकौलिया चौक स्थित कई दुकानों में छोटे-छोटे बच्चों से काम कराया जा रहा है। सूचना की पुष्टि के लिए मोतिहारी सदर, पीपराकोठी, अरेराज और पकड़ीदयाल के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से सघन जांच एवं छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान राधाकृष्ण वस्त्रालय, कृष्णा स्वीट्स, आपका अपना 99 बाजार, बेस्ट मुर्गा मीट हाउस और रतन साह की पुरानी दुकान (जोनी स्वीट्स) में एक-एक बाल श्रमिक काम करते पाए गए। सभी बाल श्रमिकों को मौके से विमुक्त कराया गया। एफआईआर दर्ज होने वाले दुकानदारों में अनिल कुमार, आकाश पटेल, सुमन कुमारी, सतन साह और मोहम्मद इरफान शामिल हैं। विमुक्त किए गए बाल श्रमिकों को बाल कल्याण समिति, मोतिहारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें बाल गृह में रखा गया है। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।\

मकर संक्रांति की आहट से गुलजार हुआ पताही बाजार, तिल-गुड़ की खुशबू में घुली रौनक और परंपरा

बीएनएम @ श्रीनिवास कुमार@ पताही। प्रखंड में मकर संक्रांति का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में रौनक लौट आई है। तिल और गुड़ की खुशबू से सराबोर गलियों में खरीदारी का उत्साह चरम पर है। स्थानीय हाट-बाजारों में लोगों की भीड़ बढ़ने लगी है और हर ओर पर्व की तैयारियों की झलक दिखाई दे रही है। पर्व से पहले लोग उत्साहपूर्वक तिल, गुड़, चूड़ा, तिलकुट, लाई और मिठाइयाँ खरीद रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि पिछले एक सप्ताह में बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उनका मानना है कि जैसे-जैसे मकर संक्रांति करीब आ रही है, वैसे-वैसे खरीदारों की संख्या और बढ़ेगी। ग्रामीण इलाकों से भी लोग सपरिवार बाजार पहुंच रहे हैं ताकि पर्व की आवश्यक सामग्री समय पर जुटा सकें। बाजार में सिर्फ मिठाइयों की ही नहीं, बल्कि बच्चों और युवाओं के लिए पतंग और मांझे की दुकानों पर भी जबरदस्त भीड़ देखी जा रही है। रंग-बिरंगी पतंगों और तेज मांझों की बिक्री ने बाजार के माहौल को और भी जीवंत बना दिया है। बच्चे खुशी से नई-नई पतंगें चुनते नजर आते हैं, जबकि दुकानदार पूरे जोश में ग्राहकों की मांग पूरी करने में जुटे हैं। महिलाओं में भी खास उत्साह देखने को मिल रहा है। वे घरों में तिल-गुड़ से बने पारंपरिक व्यंजन जैसे तिलकुट, लड्डू और पुआ बनाने की तैयारी कर रही हैं। इसका उद्देश्य न सिर्फ धार्मिक आस्था बल्कि सामाजिक समरसता को भी सुदृढ़ करना है।स्थानीय लोगों का कहना है कि मकर संक्रांति केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-जोल और भाईचारे का प्रतीक है। इस दिन लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं, तिल-गुड़ का प्रसाद ग्रहण करते हैं और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।कुल मिलाकर, संक्रांति के आगमन से पताही के बाजारों में उल्लास और उमंग का माहौल छा गया है। यह उत्सव न सिर्फ परंपरा को जीवित रखता है, बल्कि ग्रामीण जीवन की सामाजिक संस्कृति को भी नई ऊर्जा प्रदान करता है।

100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी। महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार सरकार के दिशा-निर्देशों के आलोक में जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन, पूर्वी चंपारण द्वारा रामगढ़वा प्रखंड के रेशमा देवी कन्या उच्च विद्यालय में 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में बालिकाओं को बाल विवाह के कानूनी प्रतिबंध, इसके सामाजिक दुष्प्रभाव तथा रोकथाम के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को यह समझाया गया कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षित भविष्य के लिए भी गंभीर खतरा है। इस अवसर पर जेंडर आधारित हिंसा, लैंगिक भेदभाव, महिला सुरक्षा एवं बाल संरक्षण से संबंधित विषयों पर संवाद किया गया। साथ ही पॉक्सो अधिनियम एवं पोश अधिनियम के अंतर्गत उपलब्ध कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बालिकाओं की शिक्षा एवं सशक्तिकरण के महत्व के बारे मे बताया गया। प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 181, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन तथा वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी बालिकाओं द्वारा बाल विवाह के विरुद्ध सामूहिक शपथ ली गई, जिसमें समाज में जागरूकता फैलाने और किसी भी बाल विवाह की सूचना संबंधित विभाग को देने का संकल्प व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ. राजीव रंजन, महिला एवं बाल विकास निगम के जेंडर विशेषज्ञ निर्भय कुमार एवं अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

अपराध नियंत्रण को लेकर एसपी ने की समीक्षा, गश्ती और वाहन जांच तेज करने के निर्देश

बीएनएम @ पश्चिम चंपारण। जिले में अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन की अध्यक्षता में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह बैठक पुलिस केंद्र बेतिया के सभागार में हुई, जिसमें जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल पुलिस निरीक्षक तथा थानाध्यक्ष शामिल हुए। गोष्ठी में एसपी ने लंबित कांडों के पर्यवेक्षण में तेजी लाने का निर्देश दिया। सभी थानाध्यक्षों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में दिन और रात दोनों समय गश्ती व्यवस्था सुदृढ़ करने, अधिक क्षेत्र भ्रमण करने और रात्रि गश्ती के दौरान अतिरिक्त चौकसी बरतने का आदेश दिया गया। अपराध नियंत्रण के मद्देनजर जिले भर में सतत वाहन जांच अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। एसपी ने जिले में बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर सख्ती से संज्ञान लेते हुए ऐसे मामलों का शीघ्र उद्भेदन सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही शराब तस्करों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान तेज करने का निर्देश दिया गया। सूचना का अधिकार, चरित्र सत्यापन, पासपोर्ट सत्यापन, सर्विलांस प्रोसीडिंग तथा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त आवेदनों एवं जनशिकायतों की त्वरित जांच पर भी जोर दिया गया। बैठक में विभिन्न कांडों में वांछित और वारंट निर्गत अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने का आदेश दिया गया। एसपी ने थानाध्यक्षों को आम जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य करने और पुलिस–जनसंपर्क को मजबूत करने का भी निर्देश दिया।

पुल नही दीवार बना ओवरब्रिज, विकास के नाम पर रामपुर खजुरिया बाजार की बलि

» बालू मिट्टी भराई कर बने ओवरब्रिज ने रामपुर खजुरिया बाजार की सांसें घोंटी

» रामपुर खजुरिया चौक बना 'व्यापार कब्रगाह', एलिवेटेड ओवरब्रिज बनाने की उठी बुलंद मांग

बीएनएम @ डुमरियाघाट @ अमित कुमार सिंह

नेशनल हाईवे–27 पर स्थित रामपुर खजुरिया चौक पर मिट्टी और बालू भराई कर बनाए गए ओवरब्रिज ने स्थानीय बाजार की रौनक पूरी तरह छीन ली है। ओवरब्रिज निर्माण के बाद से ही इस इलाके का व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हालात यह है कि दर्जनों दुकानदार अपना व्यवसाय समेटकर अन्य स्थानों पर पलायन कर चुके है। रामपुर खजुरिया चौक का क्षेत्र इसलिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी चौक से पिपरकोठी–गोपालगंज की ओर जाने वाला एनएच–27 गुजरता है, वहीं बाजार के बीचों-बीच अरेराज–केसरिया पथ स्टेट हाईवे 74 भी स्थित है। करीब पंद्रह वर्ष पूर्व फोरलेन सड़क निर्माण के दौरान निर्माण कंपनी पीसीएल द्वारा बजट का हवाला देते हुए मिट्टी और बालू भराई कर ओवरब्रिज का निर्माण कराया गया था। उस समय भी स्थानीय व्यवसायियों ने इस प्रकार के पुल निर्माण का कड़ा विरोध किया था, लेकिन उनकी आवाज अनसुनी कर दी गई। ओवरब्रिज बनने के बाद चौक पर केवल दो लेन का संकीर्ण अंडरपास छोड़ा गया, जिससे एक साइड से दूसरी साइड जाने में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वाहन चालकों को घूमकर लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, वहीं पैदल आने-जाने वाले ग्राहकों के लिए बाजार के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। इससे दोनों ओर के दुकानों पर ग्राहक आना लगभग बंद हो गया है। स्थानीय व्यवसायियों का कहना है कि यदि यहां मिट्टी और बालू भराई से बने इस पुराने ओवरब्रिज को हटाकर सरकार और एनएचएआई द्वारा पिलरों पर आधारित आधुनिक एलिवेटेड ओवरब्रिज का निर्माण कराया जाए, तो रामपुर खजुरिया चौक का स्वरूप पूरी तरह बदल सकता है। इससे न केवल बाजार में फिर से रौनक लौटेगी, बल्कि आम लोगों, यात्रियों और वाहन चालकों को भी जाम और अव्यवस्था से राहत मिलेगी। व्यवसायियों और स्थानीय लोगों ने सरकार, एनएचएआई, स्थानीय सांसद, विधायक और जिलाधिकारी से मांग की है कि जनहित और व्यापार हित को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द इस पुराने ओवरब्रिज को हटाकर यहां एलिवेटेड ओवरब्रिज का निर्माण कराया जाए, ताकि क्षेत्र का समुचित विकास हो सके और वर्षों से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान निकल सके।

रामपुर खजुरिया के व्यवसाई संजय कुमार सिंह ने कहा कि स्थानीय विधायक शीघ्र पहल कर केंद्र सरकार को एलिवेटेड ब्रिज बनाने का प्रस्ताव भेजकर यथाशीघ्र एलिवेटेड ब्रिज बनाए ताकि बाजार का संपूर्ण विकास हो सके।

स्थानीय व्यवसाई सुमित गिरी ने बताया कि विकास नही विनाश का है यह ओवरब्रिज, पुल जब से बना चौक दो हिस्सों में बंट गया। सरकार से जल्द से जल्द यहां एलिवेटेड ओवरब्रिज बनाने की मांग की है।

रामपुर खजुरिया के व्यवसाई दीपक सिंह ने कहा कि यह ओवरब्रिज जब से बना बाजार की रौनक गायब हो गई। व्यवसाई पलायन कर रहे है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और एनएचएआई से मांग किया है कि यथाशीघ्र मिट्टी के बने इस ओवरब्रिज को तोड़कर नया एलिवेटेड ओवरब्रिज बनाया जाए रामपुर खजुरिया चौक का अस्तित्व समाप्त होने से बच जाए।

स्थानीय व्यवसाई नवल किशोर चौरसिया ने कहा कि पुराने ओवरब्रिज ने यहां के व्यवसाय को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। उन्होंने सांसद महोदय मांग किया है कि यथाशीघ्र यहां पुराने ओवरब्रिज को हटाकर नया एलिवेटेड ओवरब्रिज बनाया जाए।

व्यवसाई टिंकू सिंह ने कहा कि विकास के राह में व्यवसायियों के लिए एक बड़ी बाधा है यह ओवरब्रिज। एक छोर से दूसरी छोर जाने के लिए एक किमी दूर जाना पड़ता है। चौक दो हिस्सों में बंटा पड़ा है। व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित है। उन्होंने स्थानीय सांसद से जल्द से जल्द यहां एलिवेटेड ओवरब्रिज बनाने की मांग की है।

फर्जी चिकित्सकों के बाद अब बिना लाइसेंस दवा दुकानों पर प्रशासन का शिकंजा

» लाखों की दवाएं जब्त, स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप

बीएनएम @ अरेराज @ उज्ज्वल मिश्रा

अरेराज में फर्जी चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई के बाद अब प्रशासन ने बिना लाइसेंस संचालित दवा दुकानों के विरुद्ध भी सख्त कदम उठाना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में अरेराज अनुमंडलीय अस्पताल के समीप औषधि निरीक्षक की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालित दो दवा दुकानों पर छापेमारी की। जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि दोनों दुकानें बिना किसी वैध ड्रग लाइसेंस के ही दवाओं की बिक्री कर रही थीं। प्रशासन की इस अचानक हुई कार्रवाई से अस्पताल रोड स्थित अन्य दवा दुकानदारों में हड़कंप मच गया। औषधि निरीक्षक की टीम ने धीरज तिवारी और प्रभात कुमार पाण्डेय की दवा दुकानों में सघन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान दुकानों में बड़ी मात्रा में दवाएं पाई गईं, लेकिन संचालक वैध लाइसेंस और जरूरी कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद टीम ने दोनों दुकानों से लाखों रुपये मूल्य की दवाएं जब्त कर लीं। साथ ही, कुछ दवाओं की गुणवत्ता पर संदेह जताते हुए उनके नमूने भी लिए गए, जिन्हें जांच के लिए सरकारी प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस छापेमारी अभियान में औषधि निरीक्षक सागर मल सोनी, दयानंद प्रसाद, सुशील कुमार, रईस आलम, राकेश सिंह के साथ पीटीसी लालबाबू प्रसाद शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई जनहित को ध्यान में रखते हुए की गई है, ताकि आम लोगों को नकली या घटिया दवाओं से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। औषधि निरीक्षक टीम ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध रूप से दवा बेचने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त अभियान जारी रहेगा। बिना लाइसेंस, नियमों और मानकों की अनदेखी कर दवा बिक्री करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन की इस कार्रवाई से स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप है और दवा दुकानदारों को नियमों का पालन करने की सख्त चेतावनी दी गई है।

मुरारपुर पंचायत में पीसीसी सड़क निर्माण पर उठे सवाल, जांच का जिम्मा बीपीआरओ को

बीएनएम @ हरसिद्धि

प्रखंड अंतर्गत मुरारपुर पंचायत के वार्ड संख्या 9, पवरिया टोला में पीसीसी सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पहले से मजबूत स्थिति में मौजूद पीसीसी सड़क पर दोबारा बिना शिलापट्ट लगाए, मानकों की अनदेखी करते हुए बेहद पतली ढलाई कराई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क की ढलाई मात्र एक से दो इंच तक की जा रही है, वहीं घटिया ईंट के टुकड़ों का उपयोग भी किया गया है। ग्रामीणों ने इसे सरकारी राशि के गबन का प्रयास बताया है। आरोप है कि मामले को लेकर पंचायत सचिव और संबंधित जेई से संपर्क किए जाने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने का भी आरोप लगाया गया है। बता दें कि ग्रामीण सतीश कुमार राम द्वारा मामले की लिखित शिकायत प्रखंड विकास पदाधिकारी गुलशन कुमार से की गई थी, जिसके बाद श्री कुमार ने संज्ञान लेते हुए पूरे मामले की जांच के आदेश दिया है। आदेश के अनुसार सात दिनों के भीतर जांच पूरी करने का जिम्मा बीपीआरओ आदित्य अंशु को सौंपा गया है और जांच प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि इससे पूर्व मुरारपुर पंचायत में मनरेगा कार्यों में फर्जी हाजिरी को लेकर शिकायतें सामने आई थीं, लेकिन उस समय केवल कागजी कार्रवाई कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था, जिससे भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद हैं। अब देखना होगा कि बीपीआरओ की जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और दोषियों पर कोई ठोस कार्रवाई होती है या नहीं। ग्रामीणों की निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।

रक्सौल में आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई, तनिष्क और हीरो शोरूम समेत कई ठिकानों पर छापेमारी

बीएनएम @ रक्सौल

भारत-नेपाल सीमा से सटे रक्सौल शहर में गुरुवार की सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब आयकर विभाग की टीम ने एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी। सुबह करीब छह बजे आयकर विभाग की अचानक मौजूदगी से पूरे शहर में हड़कंप मच गया। लक्ष्मीपुर स्थित हीरो एजेंसी और पंकज चौक स्थित तनिष्क शोरूम पर एक साथ रेड की कार्रवाई शुरू होते ही इलाके में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हीरो एजेंसी और तनिष्क शोरूम के मालिक मो. कलीम के लक्ष्मीपुर स्थित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के अलावा उनके पैतृक गांव विष्णपुरवा स्थित आवास तथा उनके रिश्तेदार मो. जावेद के घर पर भी एक साथ छापेमारी की गई। बताया जा रहा है कि आयकर विभाग ने आधा दर्जन से अधिक ठिकानों को एक साथ निशाने पर लिया है। इस संयुक्त कार्रवाई में करीब 25 से अधिक आयकर अधिकारी शामिल हैं, जबकि सुरक्षा व्यवस्था के लिए बीएमपी के जवानों की तैनाती की गई है। सूत्रों के मुताबिक, आयकर विभाग की टीमें रांची, जमशेदपुर और पटना से रक्सौल पहुंची हैं। आयकर विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि मो. कलीम और उनके रिश्तेदार मो. जावेद ने कम समय में बड़ी मात्रा में संपत्ति अर्जित की है और विभिन्न स्थानों पर जमीन की खरीदारी की गई है। इसी आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है, जिसमें आय से अधिक संपत्ति और कर चोरी से जुड़े मामलों को लेकर दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। छापेमारी के दौरान घर के अंदर मौजूद सभी लोगों को वहीं रोक दिया गया है। किसी भी बाहरी व्यक्ति के अंदर आने या बाहर जाने पर रोक है। बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और पूरे इलाके पर प्रशासन की पैनी नजर बनी हुई है। फिलहाल आयकर विभाग की कार्रवाई जारी है और छापेमारी पूरी होने के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा।

एनबीएस के दौरान जिले में 19 माइक्रो फाइलेरिया मरीज मिले

» महुआ और चेहरकलां में सर्वजन दवा सेवन अभियान, बाकी प्रखंडों में होगी प्री-टास एक्टिविटी

बीएनएम @ वैशाली

फाइलेरिया का प्रसार दर पता करने के लिए जिले में 25 से 29 नवंबर 2025 तक नाइट ब्लड सर्वे (रात्रि रक्त पट्ट संग्रह) अभियान चलाया गया था। जिसमें प्रत्येक प्रखंड/आईयूं से 600-600 बल्ड स्लाइड (रक्त पट्ट) संग्रह कर जिला स्तर पर जांच किया गया। जिसमें 55 लोग माइक्रो फाइलेरिया पॉजिटिव पाए गए। एसपीओ, फाइलेरिया, पटना के प्रदत पत्र के अनुसार सभी प्रखंडों/आईयूं का 10 प्रतिशत नेगेटिव स्लाइड एवं 100 प्रतिशत पॉजिटिव स्लाइड को क्रॉस वैलिडेशन (प्रति-परीक्षण) के लिए आरएमआरआईएमएस, पटना भेजा गया था। आरएमआरआईएमएस से प्राप्त प्रति-परीक्षण रिपोर्ट में सिर्फ 19 मरीज ही माइक्रो फाइलेरिया पॉजिटिव पाए गए एवं दो प्रखंड/आईयूं महुआ एवं चेहरकलां में ही माइक्रो फाइलेरिया प्रसार दर एक से ज्यादा पाया गया। जिला भीबीडीसी पदाधिकारी डॉ गुड़िया कुमारी ने बताया कि फाइलेरिया नियंत्रणार्थ प्रत्येक वर्ष 10 फरवरी से सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम वैसे प्रखंडों/आईयूं में चलाया जाता है जहां माइक्रो फाइलेरिया का प्रसार दर एक से ज्यादा हो। इस वर्ष सिर्फ दो प्रखंडों महुआ एवं चेहरकलां में ही सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम आयोजित की जाएगी। शेष प्रखंडों/आईयूं में एनसीभीबीडीसी, भारत सरकार के दिशानिर्देश के अनुसार प्री-टास एक्टिविटी की जानी है। जिसमें प्रत्येक प्रखंड से 900 बल्ड स्लाइड एकत्रित किया जाएगा।

मोदी सरकार ट्रंप को उचित जवाब दे

ट्रंप ने जिस तरह मोदी की उनसे मिलने की कथित बेसब्री का जिक्र किया और अपाची हेलीकॉप्टरों के सौदे पर गलतबयानी की, वह सिरे से अस्वीकार्य होना चाहिए। मगर इस पर भी भारत सरकार की तरफ से कोई बयान नहीं आया! डॉनल्ड ट्रंप अपनी खामख्यालियों में रहते हैं। आत्म-प्रशंसा में बहते हुए वे अपनी खूबियों का बखान तो करते ही हैं, दूसरों का अपमान करने की हद तक भी अक्सर जाते रहते हैं। इस दौरान वे सच-झूठ की फिक्र नहीं करते। बतौर के अपने दूसरे कार्यकाल में अपमान के तीर उन्होंने जिन निशानों पर बार-बार छोड़े हैं, उनमें भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हैं। दरअसल, भारत के मामले में बात सिर्फ जुबानी तीर की नहीं है। उन्होंने सबसे ज्यादा आयात शुल्क भारतीय वस्तुओं पर लगा कर अमेरिको को निर्यात से जुड़े देश के कारोबार को भारी क्षति पहुंचाई है। इसी तरह एच-1बी वीजा और स्टूडेंड वीजा के मामलों में उनके प्रशासन ने भारत के प्रति बेहद सख्त रुख अपनाए रखा है। हैरतअंगेज ही है कि अपनी प्रतिष्ठा को लेकर अति संवेदनशील रहने वाली मोदी सरकार ने ट्रंप के हमलों पर चुप्पी साधे रखी है। मगर अब पानी सिर के ऊपर से गुजर रहा है। अपने ताजा बयान में जिस तरह उन्होंने मोदी की उनसे मिलने की कथित बेसब्री का जिक्र किया और अपाची हेलीकॉप्टरों के सौदे को लेकर गलतबयानी की, वह सिरे से अस्वीकार्य होना चाहिए। बिना तथ्यों की जांच किए उन्होंने 68 हेलीकॉप्टरों का जिक्र किया, जबकि भारत ने 28 हेलीकॉप्टर खरीदने का सौदा ही किया है और उनकी जल्द डिलीवरी कराने में ट्रंप का कोई योगदान नहीं है। मगर इस पर भी भारत सरकार की तरफ से कोई बयान नहीं आया! इस चुप्पी के पीछे अगर गणना यह है कि इससे ट्रंप खुश होंगे और भारत से अनुकूल व्यापार समझौता कर लेंगे, तो ऐसी कोई उम्मीद निकट भविष्य में पूरी होती नहीं दिखती। इसलिए अब चुप्पी तोड़ने की जरूरत है। नरेंद्र मोदी की ट्रंप से कितनी गहरी व्यक्तिगत दोस्ती है, यह देशवासियों को नहीं मालूम। यह जानने में उनकी दिलचस्पी भी न्यूनतम है। मगर मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं। वे भारत की संप्रभुता का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में विदेशी राजनेता द्वारा उनका हर अपमान भारत का अपमान बन जाता है। हर भारतवासी को इससे मतलब है।

यंग लीडर्स डायलॉग और युवा शक्ति से विकसित भारत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

यह कोई साधारण जनवरी नहीं है। यह वह समय है जब राष्ट्र अपनी सबसे बड़ी पूंजी, यानी युवा शक्ति से सीधा संवाद करने जा रहा है। प्रश्न सरल है, पर गहन है। क्या हम केवल भविष्य की बातें करेंगे या भविष्य का निर्माण भी करेंगे। इसी प्रश्न के केंद्र में 12 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाला विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग खड़ा है और इसी संवाद की धड़कन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह आवाज सुनाई देती है जो युवाओं उनके साथ मिलकर राष्ट्र निर्माण की यात्रा तय करना चाहती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि "अद्भुत जोश और बेमिसाल जज्बे से भरी हमारी युवा शक्ति सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के लिए संकल्पबद्ध है।" यह कथन देखा जाए तो समकालीन भारत की राजनीतिक और सामाजिक चेतना का सार है। यह वक्तव्य प्रधानमंत्री मोदी के आधिकारिक वक्तव्यों के संकलन Exam Warriors में युवाओं के संदर्भ में व्यक्त विचारों की निरंतरता को दर्शाता है (लेखकः नरेंद्र मोदी, प्रकाशकः पेंग्विन इंडिया, संस्करण 2018, पृष्ठ 23)। 12 जनवरी 2026 को स्वामी विवेकानंद की जयंती और राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इस संवाद में प्रधानमंत्री देशभर से चयनित लगभग तीन हजार युवा नेताओं और अंतरराष्ट्रीय प्रवासी समुदाय के युवा प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। यह संवाद इस विश्वास को पुष्ट करता है कि भारत का युवा सिर्फ सुनने वाला वर्ग नहीं, बल्कि नीति निर्माण की प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। यही कारण है कि इस मंच पर युवा नेता शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक, सामाजिक न्याय, पर्यावरण और शासन जैसे विषयों पर अपना संवाद करने आज प्रखरता के साथ संवाद करने आगे आ रहे हैं । अब प्रश्न उठता है कि 12 जनवरी ही क्यों। इसका उत्तर भारत की राष्ट्रीमय चेतना से जुड़ा है। 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद भारत के लिए सिर्फ एक संन्यासी नहीं थे, वे भारत की युवा चेतना के शिल्पकार हैं। उनका प्रसिद्ध कथन "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए" आज भी युवाओं के लिए जीवन मंत्र है। यह उद्धरण स्वामी विवेकानंद की पुस्तक Lectures from Colombo to Almora में संकलित है (लेखकः स्वामी विवेकानंद, अद्वैत आश्रम प्रकाशन, कोलकाता, पृष्ठ 16)। स्वामी विवेकानंद का विश्वास था कि युवा समाज की सबसे शक्तिशाली ऊर्जा होते हैं। उन्होंने कहा था कि युवाओं में लोहे जैसी मांसपेशियां और फौलादी नसें होनी चाहिए, जिनका हृदय वज्र तुल्य संकल्प से भरा हो। यह विचार The Complete Works of Swami Vivekananda के खंड 3 में युवाओं को संबोधित व्याख्यानों में मिलता है (लेखकः स्वामी विवेकानंद, अद्वैत आश्रम, खंड 3, पृष्ठ 242)। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत, स्वस्थ भारत और विकसित भारत की जो परिकल्पना प्रस्तुत की जा रही है, वह विवेकानंद के उसी वज्र संकल्प का आधुनिक रूप है। आत्मनिर्भर, स्वस्थ भारत अभियान के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी स्वास्थ्य ढांचे के सुदृढ़ीकरण पर किया जा रहा निवेश इस विचार को मजबूत करता है कि स्वस्थ नागरिक ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। यह वही विचार है जिसे विवेकानंद ने कहा था कि कमजोरी मृत्यु है और शक्ति ही जीवन है, जिसका उल्लेख The Complete Works of Swami Vivekananda, खंड 1, पृष्ठ 18 पर मिलता है। शिक्षा के क्षेत्र में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी विवेकानंद के विचारों की ही प्रतिध्वनि है। स्वामी विवेकानंद ने स्पष्ट कहा था कि शिक्षा जानकारियों का बोझ नहीं होनी चाहिए, वह चरित्र निर्माण का साधन बने। यह कथन My Idea of Education नामक संकलन में मिलता है (लेखकः स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण मिशन, पृष्ठ 32)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने स्वामी विवेकानंद के विषय में लिखा था कि स्वामीजी इसलिए महान हैं क्योंकि उन्होंने पूर्व और पश्चिम, धर्म और विज्ञान, अतीत और वर्तमान के बीच सामंजस्य स्थापित किया। यह उद्धरण नेताजी की पुस्तक The Indian Struggle में विवेकानंद पर लिखी टिप्पणी से उद्धृत है (लेखकः सुभाष चंद्र बोस, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, पृष्ठ 288)। प्रसिद्ध इतिहासकार ए. एल. बाशम कहते हैं कि स्वामी विवेकानंद को भविष्य में आधुनिक

दुनिया के प्रमुख निर्माताओं में याद किया जाएगा। यह टिप्पणी उनकी पुस्तक The Wonder That Was India के उपसंहार भाग में मिलती है (लेखकः ए. एल. बाशम, पेंग्विन बुक्स, पृष्ठ 562)। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को निर्भय बनने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सारी शक्ति मनुष्य के भीतर है और यह सोच कि हम कमजोर हैं, सबसे बड़ा भ्रम है। यह विचार The Complete Works of Swami Vivekananda, खंड 2, पृष्ठ 299 में स्पष्ट रूप से मिलता है। वे चाहते थे कि युवा सामाजिक सेवा में उतरें, समाज के सबसे कमजोर वर्ग को अपना भगवान मानें और सेवा को साधना समझें। आज विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग उसी सेवा और साधना को राष्ट्रीय मंच प्रदान कर रहा है। डिजाइन फॉर भारत और टेक फॉर विकसित भारत जैसी पहलें यह बताती हैं कि तकनीक अब सिर्फ सुविधा नहीं रही है या हो सकती है, यह इससे कहीं आगे सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन गई है। आज कहना यही होगा कि स्वामी विवेकानंद केवल भारत की युवा चेतना के जागरण के सबसे प्रखर उद्घोषक हैं। उन्होंने युवाओं की बुद्धि, शक्ति और आत्मविश्वास को पहचानते हुए उन्हें यह अमर संदेश दिया था कि "उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको।" यह वाक्य केवल राष्ट्र निर्माण का सूत्र है। विवेकानंद का विश्वास था कि युवा केवल समाज का हिस्सा नहीं होते, वे ही परिवर्तन के वाहक होते हैं। इसी कारण उन्होंने युवाओं से अपार आशाएं रखीं और उन्हें भारत के भविष्य का शिल्पकार माना। राष्ट्रीय कवि रामधारी सिंह दिनकर ने अपनी कालजयी कृति संस्कृति के चार अध्याय में स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक योगदान को अत्यंत सटीक शब्दों में अभिव्यक्त किया है। दिनकर लिखते हैं कि अभिनव भारत को जो कुछ कहना था, वह विवेकानंद के मुख से प्रकट हुआ। विवेकानंद नए भारत की दिशा स्पष्ट करके के साथ स्वयं वह सेतु बने, जहां प्राचीन भारत की आध्यात्मिक परंपरा और आधुनिक भारत की कर्मठ चेतना एक-दूसरे से जुड़ती है। उनके विचारों में परंपरा का गर्व भी है और भविष्य की स्पष्ट दृष्टि भी। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस के पावन क्षण में हम उस महान विचारक को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने युवा शक्ति को राष्ट्र की जीवन ऊर्जा और सामाजिक प्रगति की मूल प्रेरक शक्ति माना। उन्होंने यह सिखाया कि राष्ट्र का उत्थान केवल नीतियों से नहीं, बल्कि जाग्रत, चरित्रवान और सेवा-भाव से प्रेरित युवाओं से होता है। आज उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा पीढ़ी की असीम संभावनाओं को पहचाना है और उन्हें सही दिशा देने का संकल्प लिया है। उन्होंने युवाओं को ज्ञान, कौशल और सेवा के पथ पर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उनके दृष्टिकोण में "GYAN" केवल एक शब्द नहीं, बल्कि समावेशी विकास का दर्शन है, जहां "जी" गरीबों के कल्याण का प्रतीक है, "वाई" युवा सशक्तीकरण का संकल्प है, "ए" अन्नदाताओं और खाद्य प्रदाताओं के समर्थन का भाव है और "एन" नारी कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वस्तुतः हमारे प्रधानमंत्री मोदी का भी यही विश्वास है कि जब युवा अपने सामर्थ्य को पहचानते हैं, तो राष्ट्र स्वयं नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होता है। अमृत काल में विकसित भारत की यात्रा में 12 जनवरी 2026 के संदर्भ में कहना होगा यह युवा आत्मविश्वास, राष्ट्रीय संकल्प और विवेकानंद के स्वप्न का जीवंत उत्सव है। यही उस महान संन्यासी को सच्ची श्रद्धांजलि है और यही भारत के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत आधारशिला भी है।

हिंदी का विस्तृत होता आकाश

गिरीश्वर मिश्र

ज्ञान और भाषा का गहरा रिश्ता है। महान चिंतक भर्तृहरि की मानें तो भाषा के आलोक में ही दुनिया दिखती हैः सर्वं शब्देन भासते। ज्ञान-सृजन, ज्ञान संरक्षण तथा अगली पीढ़ी तक ज्ञान संक्रमण का कार्य भाषा से ही हो पाता है। चिंतन और सर्जनात्मकता के लिए भाषा जरूरी है। इस तरह भाषा मानव जीवन के उत्कर्ष का साधन है जो नैसर्गिक रूप से सभी मनुष्यों को प्राप्त है। वह व्यक्ति और समाज दोनों ही स्तरों पर स्मृति और कल्पना को सुदृढ़ करती है। भारत भाषाओं की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है जहाँ हज़ार से अधिक भाषाएं विद्यमान हैं। इनमें बहुतेरी ऐसी भी हैं जो सिर्फ़ बोली जाती हैं। उनकी लिपि ही नहीं है। इस भाषिक परिवेश में भाषाओं की बहुलता से द्विभाषिकता सहज है और बहुभाषिकता भी काफी पाई जाती है। हिंदी मध्य देश में बोली जाने वाली भाषा समूह का नाम है। ऐतिहासिक रूप से हिंदी हिंद की भाषा है और समग्र देश से जुड़ी रही है। आज इसके बोलने वाले विस्तृत भू भाग में पसरे हैं और अनेक देशों में मौजूद हैं। ऐसे में हिंदी के कई कई रूप उसकी बोलियों में मिलते हैं। हिंदी भारत के लोक जीवन व्याप्त रही और देश के स्वतंत्रता संग्राम में उसकी अखिल भारतीय भागीदारी ने उसे राष्ट्रभाषा बना दिया। जनता से जुड़ने के प्रयास में हिंदी भारत में चतुर्दिक गूंजी। सहज सम्पर्क के लिए हिंदी स्वाभाविक माध्यम बनी महाराष्ट्र हो या बंगाल, कश्मीर हो या गुजरात, पंजाब हो या दक्षिण भारत हर कहीं हिंदी को अंगीकार किया गया। अंग्रेज सरकार सरकारी तंत्र और शिक्षा में अंग्रेजी वर्चस्व स्थापित किया जिसके अवशेष अभी भी विद्यमान हैं। संविधान में सरकारी काम-काज की भाषा यानी 'राज भाषा ' (आफीशियल लैंग्वेज) का विचार अपनाया गया। संविधान का भाग 17 का अनुछेद 343 कहता है संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देव नागरी' होगी। राजभाषा को अपरिभाषित छोड़ दिया गया परंतु प्रशासनिक उद्देश्य से उसे जोड़ा गया। साथ ही अनुछेद 351 में हिंदी के विकास को संघ के कर्तव्य के रूप में अंकित किया गया। राजभाषा विभाग बना और हिंदी फले-फूले इसके लिए बहुत से उपक्रम शुरू हुए। राजभाषा नीति और उसके अनुपालन को लेकर धींगामुश्ती होती रही। संविधान ने आठवीं सूची नामक एक विशेष प्रावधान भी बनाया और 14 भाषाओं की सूची डाली। इस सूची का विस्तार होता रहा और अब इसमें 22 भाषाएं हैं। अभी 38 अन्य भाषाओं से गुहार है कि उनको भी शामिल कर लिया जाय हालांकि सूची में सदस्यता का भाषा के विकास के साथ कोई कार्य कारण सम्बन्ध नहीं दिखता। 1965 तक आते आते हिंदी की राजभाषा का सवाल मुल्तवी हो गया क्योंकि वह सक्षम नहीं लगी और अंग्रेजी में कार्य करते रहने के लिए असीमित छूट ले ली गई। अंग्रेजी का वर्चस्व बना रहा। इस बीच हिंदी के संस्थानों, समितियों, पुरस्कारों, समितियों, अकादमियों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहल होती रही। अब अनेक विश्वविद्यालयों, कार्यालयों और प्रतियोगी परीक्षाओं में हिंदी में अवसर मिल रहे हैं तथापि स्थिति पूर्णतः संतोषजनक नहीं है। मीडिया, सिनेमा, व्यापार, विज्ञापन और लोक भाषा के रूप में हिंदी आगे बढ़ रही है। भारत के बाहर मॉरिशस, गुयाना, फ़ीजी, त्रिनिदाद, दक्षिण अफ्रीका आदि अनेक देशों में भारतीय मूल के लोग वर्षों पहले पहुंचे और अपने साथ हिंदी भी ले गए। पड़ोसी देशों में भी हिंदी बोली और समझी जाती है। इसके अतिरिक्त हिंदी का पठन पाठन अनेक देशों में होता है। हिंदी की अंतरराष्ट्रीय छवि को तब विशेष बल मिला जब नागपुर में 10 जनवरी 1975 में नागपुर में विश्व हिन्दी सम्मलेन का पहली बार आयोजन हुआ। इस ऐतिहासिक पहल की स्मृति में 2006 से 'विश्व हिन्दी दिवस' मनाया जा रहा है। हिंदी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में बढ़ावा देने के संकल्प के साथ यह आयोजन शुरू हुआ था और तब से बारह ऐसे सम्मेलन भारत और अन्य देशों में हो चुके हैं। मारिशस में एक विश्व हिंदी सचिवालय तथा वर्धा में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय बना है। अन्तर राष्ट्रीय सांस्कृतिक संबंध परिषद अनेक देशों में हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन के लिए प्राध्यापकों को उपलब्ध कराती है। हिंदी के वैश्विक प्रचार प्रसार के अनेक प्रयास हो रहे हैं। 12 वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन फ़िजी में हुआ था। ऐसे सम्मेलनों से न केवल हिंदी को वैश्विक मंच मिला है बल्कि विश्व में अन्यत्र रहने वाले हिंदी भाषियों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने में भी मदद मिली है। आज हिंदी भाषा संयुक्त राष्ट्र में ग़ैर आधिकारिक भाषाओं की सूची में सम्मिलित है। विश्व में अंग्रेजी और मंडारिन (चीनी) भाषाओं के बाद इसी का स्थान आता है। प्रवासी समुदाय में हिन्दी प्रचलित है, उसका उच्च कोटि का साहित्य है और अनुमानतः 60 करोड़ से अधिक लोग इसे बोलते हैं। हिंदी के प्रति जागरूकता और प्रचार प्रसार का कार्य प्रगति पर है। इस वर्ष विश्व हिंदी दिवस पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक के विकास पर केंद्रित है । आज इसे कोडिंग से लेकर डिजिटल प्लेटफार्म पर उपयोग के लिए आसान बनने का प्रयास हो रहा है। मशीन अनुवाद में बड़ी सफलता मिल रही है। कृत्रिम मेधा (एआई) के सहयोग से अपार संभावनाएं उभर रही हैं जिससे हिंदी को बड़ा आकाश मिल सकेगा। स्मरणीय है कि संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी की गूंज 4 अक्टूबर 1977 को विदेश मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के भाषण द्वारा हुई थी परंतु अभी तक आधिकारिक भाषा की सूची में नहीं आ सकी है। संयुक्त राष्ट्र में अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश, चीनी अरबी और रूसी ये आधिकारिक भाषाएँ है। स्मृति और भाषा के बीच जैसे बड़ा गहरा रिश्ता है उसी तरह स्मृति हमारी अपनी पहचान से भी जुड़ी हुई है । विश्व के अनेक देशों में फैले भारतीय मूल के लोगों का हिन्दी से लगाव और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में रुचि इसकी पुष्टि करती है। विदेशों के कई विश्व विद्यालय हिन्दी के अध्यापन और अनुसंधान में लगे हुए हैं । हिन्दीभाषी जन-समुदाय के संख्या बल को देखते हुए एक बड़े बाजार का अवसर भी दिखता है और हिन्दी के प्रसार को बल मिलता है।

आज का राशिफल

मेष राशि– आज प्रमोशन होने का योग बन रहा है आज का दिन सार्थक रहेगा। आज आपका अधिकतर समय बच्चों के साथ बीतेगा। बच्चों के साथ मॉल में शॉपिंग करने भी जा सकते हैं। आज अचानक किसी करीबी रिश्तेदार का घर पर आने की उम्मीद है। जिसके कारण घर का माहौल खुशनुमा हो जायेगा।
शुभ रंग - पीला

वृष राशि – आज आपके बिजनेस में दो गुना वृद्धि होगी आज का दिन खुशनुमा रहेगा। बाहर के खुशनुमा मौसम का आनंद लेना आपके लिए काफी लाभदायक रहेगा। दोस्तों के साथ बाहर घूमने जा सकते है। आज आपके बिजनेस में दो गुना वृद्धि होगी, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज आपके बच्वें आपको गौरवान्वित करेंगे।
शुभ रंग - नीला

मिथुन राशि – अच्छी कमाई होने के योग बन रहे है आज आपका का दिन नयी ऊर्जा से भरपूर रहेगा। दुकानदारों के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। अच्छी कमाई होने के योग बन रहे है। संगीत से जुड़े लोगों को आज किसी फिल्म इंडस्ट्री से गाने का ऑफर मिल सकता है।
शुभ रंग - ग्रे

कर्क राशि – किसी काम की शुरूआत करें सफलता मिलनी तय है आज का दिन सामान्य रहेगा। साथी को खुश करने के लिए कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। आप आज जितना हो सकें सीनियर्स की राय लेकर ही किसी काम की शुरूआत करें सफलता मिलनी तय है। ऑफिस में आज आपको सावधानी बरतने की आवश्यकता है।
शुभ रंग - गुलाबी

सिंह राशि – आज एक बड़ी डील मिल सकती है आज आपका दिन फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको कई बड़े फायदे होंगे। इस राशि के बिजनेसमैन के लिए आज का दिन शुभ है। गणेश जी की प्रतिमा को ऑफिस में रखने से आज एक बड़ी डील मिल सकती है|
शुभ रंग - हरा

कन्या राशि – जो भी फैसला करेंगे, वह आपके लिए फायदेमंद हो सकता है आज आपके मन में नए - नए विचार आएंगे। आज आप नया कार्य करने की सोचेंगे। हालांकि उसमें आपको सफलता भी मिल सकती है। आज आपकी ईमानदारी के कारण आपको जीवनसाथी और परिवारजनों का स्नेह प्राप्त होगा।
शुभ रंग - नीला

तुला राशि – वाहन खरीदने का भी मूड बना सकते हैं आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। कई तरह की जिम्मेदारियां भी पूरी हो सकती है। अपनी मिलनसार व्यवहार से आपको सफलता मिलने के योग हैं। मन में किसी तरह की उत्सुकता भी हो सकती है। आपका रवैया दूसरों के लिए उदार वादी रह सकता है।
शुभ रंग - गोल्डन

वृश्चिक राशि – रचनात्मक कार्यों में आपका मन लगेगा आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपके रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे। आज सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का प्रमोशन हो सकता है। आज बिजनेस के सिलसिले में आपकी विदेश यात्रा भी हो सकती है। जिससे आप थकान महसूस करेंगे।
शुभ रंग - काला

धनु राशि – कार्य सफल होने से प्रसन्नता मिलेगी आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज अनुभवी लोगों के साथ रहकर बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। इस राशि की महिलाएं आज आप घर में कीर्तन का आयोजन भी कर सकती हैं। पड़ोसियों के साथ मंदिर जाने की का प्लान बना सकते है।

मकर राशि – आपकी बौद्धिक क्षमता आज आपको सफलता जरूर दिलाएगी आज आपका दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज आप जिस काम को करें उसे पूरी जिम्मेदारी के साथ करें। आज आपसे कई लोग मदद भी ले सकते हैं। आज आप लोगों को जरूरत के अनुसार ही सलाह दें। आज आप राजकीय कामकाज में उलझे रह सकते हैं।

कुम्भ राशि – बिजनेस में तरक्की के लिए नये रास्ते खुलेंगे आज के दिन आपका आत्मविश्वास से भरा रहने वाला है। इस राशि वाले लोगों को बिजनेस में तरक्की के लिए नये रास्ते खुलेंगे। आज वाहनों को सावधानीपूर्वक चलाये। आज आपके जीवनसाथी के ननिहाल से बड़ी खुशखबरी आ सकती है। ।

मीन राशि – आर्थिक स्थिति आज पहले से अच्छी रहेगी आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपका कर्म प्रधान बनेगा और आप अपनी ऊर्जा का भरपूर इस्तेमाल करेंगे। आपको अपनी मेहनत के अनुरूप उचित परिणाम भी मिलेंगे।

अमेरिका की साम्राज्यवादी नीतियां तीसरे विश्व युद्ध की नींव रख रही हैं

प्रहलाद सबनानी

अब तो अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने खुले तौर पर घोषणा कर दी है कि ब्रिक्स संगठन के सक्रिय सदस्य देशों - भारत, रूस, ब्राजील एवं चीन - एवं कुछ अन्य देशों पर 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाया जा सकता है। इस संदर्भ में उन्होंने एक प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर करते हुए इसे अमेरिकी संसद में पारित कराने हेतु भेज दिया है। दरअसल अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट में कुछ याचिकाएं लम्बित हैं जिनमें डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले उत्पादों के आयात पर लागू किए गए टैरिफ को चुनौती दी गई है। संभवतः अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपना निर्णय दिनांक 9 जनवरी 2025 को दिया जा सकता है। यदि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का निर्णय ट्रम्प के खिलाफ आता है तो ट्रम्प अपने पास टैरिफ को लागू करने सम्बंधी अधिकार को सुरक्षित रखना चाहते हैं इसीलिए उन्होंने 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाए जाने सम्बंधी प्रस्ताव अमेरिकी संसद में पेश किया है। घोषित तौर पर तो ट्रम्प द्वारा भारत और चीन द्वारा अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले उत्पादों पर टैरिफ इसलिए लगाया जा रहा है क्योंकि यह दोनों देश रूस से भारी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कर रहे हैं और इस संदर्भ में ट्रम्प द्वारा दी जा रही चेतावनियों की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। परंतु, वास्तव में ट्रम्प ब्रिक्स संगठन के सदस्य देशों, विशेष रूप से भारत, रूस, ब्राजील एवं चीन से बहुत परेशान है, क्योंकि यह देश अमेरिकी डॉलर को चुनौती देते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही, यह देश अपने विदेशी व्यापार के भुगतान को अमेरिकी डॉलर के स्थान पर अपनी अपनी मुद्राओं में करने को प्रोत्साहन दे रहे हैं। ब्रिक्स संगठन के सदस्य देशों के बीच होने वाले व्यापार के भुगतान का निपटान करने हेतु ब्रिक्स मुद्रा को लाने का प्रयास भी इन देशों द्वारा किया जा रहा है। इससे निश्चित ही वैश्विक स्तर पर डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी। इससे अमेरिका की चौधराहट पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। अतः ट्रम्प उक्त चारों देशों से बहुत अधिक नाराज है एवं इन चारों देशों को सबक सिखाना चाहते है। परंतु, अब ट्रम्प को वैश्विक स्तर पर हो रहे विभिन्न घटनाक्रमों को गम्भीरता से लेने की आवश्यकता है। भारत, रूस, ब्राजील एवं चीन आज विश्व के शक्तिशाली देशों की सूची में शामिल हैं। यह देश वेनेजुएला जैसे छोटे देश नहीं हैं जिन पर ट्रम्प अपना अधिकार एवं अपनी चौधराहट जता पाए। वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उनकी पत्नी सहित ट्रम्प की सेना द्वारा रात्रि को सोते समय गिरफ्तार कर अमेरिका में ले जाया गया है। इसके बाद से ट्रम्प द्वारा यह बयान दिया जा रहा है कि वेनेजुएला स्थित तेल के कुओं से कच्चे तेल के भंडार को अब अमेरिकी कम्पनियों द्वारा निकाला जाएगा एवं इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचा जाएगा और इस व्यवहार से होने वाले लाभ पर अमेरिका एवं वेनेजुएला का अधिकार होगा। यह तो संप्रभुता सम्पन्न राष्ट्र के अधिकारों का सीधा सीधा हनन है। वास्तव में अमेरिका की वेनेजुएला में कच्चे तेल एवं मूल्यवान खनिज पदार्थों के भंडार पर नजर है एवं इन्हें वह अपने कब्जे में लेना चाहता है इसीलिए वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में लाया गया है और उन पर मुकदमा चलाया जा रहा है। इसी प्रकार, अब ग्रीनलैंड नामक द्वीप जिस पर इस समय डेनमार्क का अधिकार है, को भी अमेरिका अपने कब्जे में लेना चाहता है। अमेरिका के पास पहिले से ही ग्रीनलैंड में एक सैन्य अड्डा "पिटुफिक स्पेस बेस" है। परंतु, ट्रम्प यह पूरा द्वीप ही अमेरिकी कब्जे में लाना चाहते हैं क्योंकि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए इस द्वीप की उन्हें जरूरत है। वेनेजुएला को हथियाने के तुरंत बाद ट्रम्प ने वेनेजुएला के पश्चिमी पड़ौसी देश कोलम्बिया जहां तेल के विशाल भंडार है तथा सोना, चांदी, पन्ना प्लेटिनम और कोयले की भारी मात्रा में खदाने हैं, को भी चेतावनी दे दी है कि सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर इतनी सख्ती नहीं की जानी चाहिए कि प्रदर्शन करने वाले नागरिकों की मौत ही हो जाए। अन्यथा, अमेरिका को इस स्थिति से निपटने के लिए हस्तक्षेप करना पड़ सकता है। ईरान भी इस समय बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों का सामना कर रहा है और ट्रम्प ने ईरान को भी चेतावनी दे डाली है कि ईरान में अगर और अधिक प्रदर्शनकारियों की मौत हुई तो अमेरिका को कठोर जवाब देना होगा। मेक्सिको पर भी अमेरिका की टेड़ी दृष्टि पड़ रही है और अमेरिका का सोचना है कि मेक्सिको से अमरीका में ड्रग्स एवं अवैध अप्रवासियों का आना जारी है। अमेरिका का कहना है कि इसे यदि मेक्सिको प्रशासन द्वारा रोका नहीं गया तो अमेरिका को हस्तक्षेप करना पड़ेगा। ज्ञातव्य हो कि वर्ष 2025 में अपने दूसरे कार्यकाल के पहिले दिन ही ट्रम्प ने "गल्फ आफ मेक्सिको" का नाम बदलकर "गल्फ आफ अमेरिका" करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। वर्ष 2016 में अपने पहिले कार्यकाल के दौरान भी ट्रम्प ने मेक्सिको के साथ दक्षिणी सीमा पर एक दीवार बनाने का बयान दिया था। क्यूबा के वेनेजुएला के साथ घनिष्ठ सम्बंध रहे हैं। वेनेजुएला द्वारा कथित तौर पर क्यूबा को लगभग 30 प्रतिशत तेल की आपूर्ति की जाती रही है, इसके बदले में क्यूबा, वेनेजुएला को डॉक्टर एवं चिकित्साकर्मी उपलब्ध कराता रहा है। क्यूबा, फ्लोरिडा (अमेरिका) से केवल 90 मील दक्षिण स्थित द्वीप है और 1960 के दशक की शुरुआत से ही अमेरिकी प्रतिबंधों को झेल रहा है। परंतु, अब क्यूबा, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के पश्चात, तेल की आपूर्ति ठप्प होने के चलते मुश्किलों से घिर गया है और इसे अब अमेरिका पर निर्भर रहना ही होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका की साम्राज्यवादी नीतियां लम्बे समय से चली आ रही है एवं अमेरिका अभी तक के अपने इतिहास में अन्य देशों पर हस्तक्षेप जैसे सैकड़ों मामलों में शामिल रहा है। वर्ष 1776 से वर्ष 2026 के बीच अमेरिका लगभग 400 हस्तक्षेपों में शामिल रहा है। इसमें से लगभग 200 हस्तक्षेप वर्ष 1950 के बाद के खंडकाल में हुए हैं। वर्तमान समय में भी अमेरिका 5 अलग अलग युद्धों में सार्वजनिक रूप से ज्ञात सैन्य अभियानों में शामिल है। सोमालिया, सीरिया और यमन में हो रहे युद्धों में अमेरिका अपने आप को, आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में शामिल होना बताता है और वेनेजुएला में मादक पदार्थों के खिलाफ युद्ध में शामिल होना बताता है। इसी प्रकार अमेरिका रूस यूक्रेन के बीच हो रहे युद्ध, इजराईल हम्मास के बीच चल रहे युद्ध एवं कम्बोडिया थाईलैंड के बीच हुए युद्ध में भी अपनी चौधराहट दिखाता रहता है। अमेरिका द्वारा अन्य देशों के मामलों में हस्तक्षेप किया जाना सामान्य सी बात है। अभी हाल ही में नेपाल, बांग्लादेश एवं श्रीलंका में सत्ता परिवर्तन कराने में भी अमेरिका का हाथ बताया जाता है। अमेरिका द्वारा इन हस्तक्षेपों को जिन कारणों से उचित ठहराया जाता है, उनमें शामिल हैं - आतंकवाद विरोधी अभियान, शासन परिवर्तन, क्षेत्रीय विस्तार, अमेरिकी नागरिकों और राजनयिकों की सुरक्षा, आर्थिक अवसर, राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा देना, लोकतंत्र को बढ़ावा देना और अंतरराष्ट्रीय कानून को लागू करना, आदि है। अमेरिका की विदेश नीति की हस्तक्षेपवाद मुख्य विचारधारा रही है। इसी नीति के तहत अमेरिका की नजर वेनेजुएला, ग्रीनलैंड, कोलम्बिया, ईरान, क्यूबा, मेक्सिको एवं नाईजेरिया में भी हस्तक्षेप करने की नजर आती है। यूरोप के 7 देशों (फ्रान्स, जर्मनी, इटली, पोलैंड, स्पेन, ब्रिटेन एवं डेनमार्क) ने अमेरिका को गम्भीर चेतावनी दी है कि यदि ग्रीनलैंड पर अमेरिका द्वारा कोई सैनिक कार्यवाही की गई तो इसके गम्भीर परिणाम अमेरिका को भुगतने होंगे और बहुत सम्भव है कि इस कार्यवाही के बाद यूरोपीय देशों एवं अमेरिका का संयुक्त नाटो संगठन ही बिखर जाए।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

गिल, जायसवाल और कृष्णा ने की वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम की तारीफ

एजेंसी, वडोदरा

भारतीय क्रिकेट टीम के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल, युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने भारत-न्यूजीलैंड के बीच पहले वनडे से पहले वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम की सुविधाओं की जमकर सराहना की है। तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला यहां कल यानी 11 जनवरी को खेला जाएगा और यह कोटांबी स्टेडियम में आयोजित होने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय वनडे मैच होगा। मैच से पहले शनिवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें गिल, जायसवाल और कृष्णा स्टेडियम की आधुनिक सुविधाओं की तारीफ करते नजर आए। शुभमन गिल ने कोटांबी स्टेडियम की प्रशंसा करते हुए कहा कि खिलाड़ियों के लिए ड्रेसिंग रूम और अन्य सुविधाएं बेहद अहम होती हैं और यह स्टेडियम इन सभी मानकों पर खरा उतरता है। गिल ने कहा, "स्टेडियम काफी शानदार लग रहा है। यहां की सुविधाएं और ड्रेसिंग रूम काफी बड़े और

अच्छे हैं। यह वो चीजें हैं, जिन्हें खिलाड़ी हमेशा देखते हैं। मैदान भी बेहद खूबसूरत है।" भारत में बतौर कप्तान अपनी पहली वनडे सीरीज खेलने को लेकर गिल ने उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा, "भारत में कप्तान के तौर पर मेरी यह पहली वनडे सीरीज है, इसलिए मैं काफी उत्साहित हूं। सभी खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट खेला है और वे अच्छी लय में हैं। न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने को लेकर पूरी टीम उत्साहित है।" यशस्वी जायसवाल ने भी स्टेडियम के पूरे ढांचे की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आउटफील्ड, पिच, ड्रेसिंग रूम और रिकवरी सुविधाएं बेहतरीन हैं। जायसवाल ने कहा, "यह बहुत ही खूबसूरत स्टेडियम है। आउटफील्ड और विकेट दोनों शानदार हैं। ड्रेसिंग रूम और रिकवरी रूम भी बहुत अच्छे हैं। यहां आकर खेलने में काफी मजा आता है। यहां के लोग क्रिकेट को लेकर काफी जुनूनी हैं, इसलिए माहौल और भी खास रहने वाला है।" तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि वह एक बार फिर इस मैदान पर खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले साल वडोदरा में ही कर्नाटक की टीम ने विजय हजारे ट्रॉफी का खिताब जीता था। प्रसिद्ध ने कहा, "करीब एक साल पहले हम यहां विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल खेलने आए थे और चैंपियन बने थे। यहां की सुविधाएं—स्विमिंग पूल, जिम और प्रैक्टिस एरिया—बेहद शानदार हैं, जो इस अनुभव को और खास बनाती हैं।" भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे कोटांबी स्टेडियम के लिए भी ऐतिहासिक होगा, जहां पहली बार वनडे अंतरराष्ट्रीय मुकाबले की मेजबानी की जा रही है।

मलेशिया ओपनः सेमीफाइनल में वांग से हारीं सिंधु, भारत का अभियान समाप्त

एजेंसी, कुआलालंपुर

भारत की स्टार शटलर पी. वी. सिंधु का शानदार सफर शनिवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में खत्म हो गया। सीजन के पहले टूर्नामेंट में सिंधु को चीन की वर्ल्ड नंबर दो खिलाड़ी वांग झीयी के खिलाफ सीधे गेम में 16-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु दबाव को बरकरार नहीं रख सकीं और मुकाबले के दौरान उनसे कई अनफोर्स्ड एरर हो गए। यह मुकाबला उनके लिए खास इसलिए भी था क्योंकि वह अक्टूबर पिछले साल के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट में खेल रही थीं। पैर की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहीं सिंधु दूसरे गेम में 11-6 की बढ़त भी गंवा बैठीं। इस हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया। मुकाबले की

शुरुआत में सिंधु ने ऊंची रैंक वाली प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने दमदार स्मैश लगाए और अपने लंबे कद का फायदा उठाते हुए 5-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, वांग की सटीक नेट प्ले और बेहतर टच ने उन्हें बराबरी पर ला दिया। वांग की कुछ चूकों का फायदा उठाकर सिंधु 9-7 से आगे हुईं, लेकिन इंटरवल तक पहुंचते-पहुंचते चीनी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए एक अंक की बढ़त बना ली। इस दौरान सिंधु नेट पर लड़खड़ाती नजर आईं। ब्रेक के बाद दोनों खिलाड़ियों को शॉट्स की लेंथ साधने में दिक्कत हुई और स्कोर 13-13 पर बराबर रहा। इसके बाद 15-14 से आगे चल रहीं वांग ने लगातार आक्रामक शॉट्स खेले, जिससे सिंधु दबाव में आ गईं। वांग ने सटीक लिफ्ट्स के साथ स्कोर 18-14 कर लिया और अंततः पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में सिंधु ने दो अनफोर्स्ड एरर किए और 1-3 से पीछे हो गईं, लेकिन उन्होंने जल्दी ही वापसी की और बेहतरीन रैलियों के दम पर 6-3 की बढ़त बना ली। वांग ने अंतर कम किया, लेकिन सिंधु ने तेज एंगल्स के साथ कोर्ट के कोनों में शॉट्स खेलते हुए ब्रेक तक 11-6 की बढ़त हासिल की। ब्रेक के बाद वांग ने आक्रामक अंदाज अपनाया। हालांकि सिंधु ने शानदार नेट शॉट्स से 13-9 तक बढ़त बनाए रखी। इसके बाद एक बार फिर सिंधु से लगातार गलतियां हुईं और वांग ने 13-13 से मुकाबला बराबर कर बढ़त हासिल कर ली। नेट पर एक शानदार एक्सचेंज के बाद वांग 16-13 से आगे निकल गईं। इसके बाद सिंधु ने दो बार बैकलाइन के बाहर शॉट मारे और एक बैकहैंड नेट एरर के चलते वांग को पांच मैच प्वाइंट मिल गए। आखिरकार सिंधु का एक और शॉट बाहर चला गया और वांग ने मुकाबला जीतकर फाइनल में जगह बना ली।

पूजा वस्त्राकर हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण दो हफ्ते के लिए क्रिकेट से हुईं दूर

एजेंसी, दीव

नवी मुंबईः रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तेज गेंदबाज ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकर हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते अगले दो हफ्तों तक क्रिकेट से दूर रहेंगी। इसकी पुष्टि आरसीबी के हेड कोच मालोलन रंगराजन ने शुक्रवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के उद्घाटन मुकाबले के बाद की। मालोलन रंगराजन ने कहा,"पूजा वस्त्राकर मुंबई इंडियंस के खिलाफ चयन के लिए उपलब्ध नहीं थीं। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई), बेंगलुरु से रिलीज़ होने से करीब दो हफ्ते पहले दुर्भाग्यवश उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया। हमारे पास जो जानकारी है, उसके मुताबिक उन्हें अभी दो हफ्ते और लगेंगे। इससे पहले वह कंधे की समस्या के कारण सीओई में थीं और अब हैमस्ट्रिंग की परेशानी है। यह पूरी तरह सप्ताह-दर-सप्ताह की प्रक्रिया है, इसलिए हम उनकी स्थिति पर नज़र रखेंगे।" इस बीच, आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। टीम ने मुंबई इंडियंस को आखिरी गेंद पर तीन विकेट से हराया। इस जीत में नाडीन डी क्लर्क की नाबाद 63 रन (44 गेंद) की शानदार पारी निर्णायक साबित हुई। वहीं,

मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस को भी झटका लगा जब ऑलराउंडर हेले मैथ्यूज़ कंधे की चोट के कारण मैदान पर नहीं उतर सकीं। मुंबई इंडियंस की हेड कोच लिसा कीटली ने बताया,"दुर्भाग्यवश उनका कंधा अभी पूरी तरह ठीक नहीं है। ट्रेनिंग के दौरान हल्का खिंचाव आ गया था। वह खेलने के काफी करीब हैं, लेकिन आज का मैच उनके लिए थोड़ा जल्दी हो गया। हम देखेंगे कि वह कल कैसा महसूस करती हैं और अगर फिट रहीं तो अगले मैच में उपलब्ध होंगी।" टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में करीबी हार झेलने के बाद, डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस शनिवार को डीवाई पाटिल स्टेडियम, नवी मुंबई में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेंगी।

केआईबीजी 2026ः प्रसन्ना बेंद्रे ने पेंचक सिलाट में बरकरार रखी बादशाहत, सिर्फ 20 दिनों में नए वजन वर्ग में रचा इतिहास

एजेंसी, दीव

दादरा और नागर हवेली तथा दमन और दीव के स्टार पेंचक सिलाट खिलाड़ी प्रसन्ना बेंद्रे ने एक बार फिर अपने जज़्बे और मेहनत से सभी को प्रभावित किया। खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी) 2026 में उन्होंने टांडिंग स्पर्धा में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की, वह भी ऐसे हालात में जब उन्हें महज 20 दिनों में अपना वजन वर्ग बदलना पड़ा। प्रसन्ना अपने घरेलू मैदान पर 40-45 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक का बचाव करना चाहते थे, लेकिन प्रतियोगिता से ठीक पहले वजन वर्गों में बदलाव कर दिया गया। केआईबीजी 2026 में टांडिंग स्पर्धा में उनका नियमित वजन वर्ग शामिल नहीं था, जिसके चलते उन्हें या तो 50-55 किग्रा वर्ग में उतरना था या फिर प्रतियोगिता से बाहर होना था। 23 वर्षीय प्रसन्ना ने हार

मानने के बजाय चुनौती को स्वीकार किया। सिर्फ 20 दिनों में उन्हें न केवल वजन बढ़ाना था, बल्कि खुद से ज्यादा ताकतवर खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करने के लिए मानसिक और तकनीकी रूप से भी तैयार होना था। उन्होंने फाइनल में मणिपुर के रोहित मैतेई को हराकर घोघला बीच, दीव में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रसन्ना ने बताया, साई मीडिया के हवाले से कहा,"इन खेलों से पहले मैं श्रीनगर में राष्ट्रीय कैंप में था। लौटने पर पता चला कि मेरा 40-45 किग्रा वर्ग केआईबीजी 2026 में नहीं होगा और खेलों में सिर्फ 20 दिन बचे थे। मेरे पास वजन वर्ग बदलने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। चुनौती यह थी कि मेरे प्रतिद्वंद्वी पहले से ही उस वजन में ज्यादा मजबूत थे।" उन्होंने कहा, "मैंने खजूर, केला, अंजीर और अन्य चीजों को मिलाकर शेक बनाना शुरू किया, जिसे दिन में दो बार पीता था। इतने कम समय में वजन बढ़ाना आसान नहीं था, लेकिन किसी तरह मैं 50-51 किलो तक पहुंच सका।" इससे पहले प्रसन्ना पुरुष सीनियर तुंगगल स्पर्धा में रजत पदक भी जीत चुके थे। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने कोच एलेक्जेंडर और फिलिया थॉमस को दिया, जिन्होंने नए वजन वर्ग में भी उन्हें अपनी तकनीक पर भरोसा रखने के लिए प्रेरित किया। प्रसन्ना का पेंचक सिलाट से जुड़ाव भी रोचक रहा। उन्होंने बताया, "मैं कक्षा 8 में ट्यूशन के लिए उनके घर जाता था, वहीं उनके मार्शल आर्ट्स बैकग्राउंड के बारे में पता चला। उसी समय वे दमन आए थे और अकादमी शुरू करने की योजना बना रहे थे। मैं सही समय पर सही जगह था और ऑनर अकादमी का पहला छात्र बना।" प्रसन्ना 2024 में अबू धाबी में हुई विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष आठ में जगह बना चुके हैं। हालांकि, उनकी सफलता की राह आसान नहीं रही। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए उन्हें गंभीर आर्थिक संघर्षों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, "अबू धाबी जाने के लिए मेरे पिता, जो एक निजी कंपनी में काम करते हैं, उन्हें लगभग एक लाख रुपये का कर्ज लेना पड़ा। बाकी रकम दमन की मराठी कम्युनिटी से फंडरेज़र के जरिए जुटाई गई। वह कर्ज आज भी चुकाया जा रहा है।" ऐसा ही संघर्ष 2023 एशियन चैंपियनशिप (दुबई) के दौरान भी रहा, जहां उन्होंने 40-45 किग्रा टांडिंग में कांस्य पदक जीता था। वहीं 2022 में कश्मीर में हुई एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने रजत पदक हासिल किया था। राजस्थान के माधव विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में मास्टर्स कर चुके प्रसन्ना को 2025 की राष्ट्रीय चैंपियनशिप परीक्षा के कारण छोड़नी पड़ी थी। अब पढ़ाई पूरी होने और एक और खेलो इंडिया स्वर्ण पदक जीतने के बाद उनका फोकस खेल और परिवार की जिम्मेदारियों पर है। ऑनर अकादमी में सहायक कोच की भूमिका निभा रहे प्रसन्ना बेंद्रे ने कहा, "मेरे पिता अगले साल रिटायर हो रहे हैं, इसलिए परिवार की जिम्मेदारी मुझे उठानी होगी। इसके लिए नौकरी तलाशना मेरी प्राथमिकता है।"

व्यापार

भारतीय शेयर बाजार में तीन महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट

विदेशी निधियों की लगातार निकासी ने भी बाजार की कमजोरी को और गहरा किया

मुंबई। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने तीन महीने में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की, जिससे निवेशकों के बीच भारी निराशा और अनिश्चितता देखने को मिली। अमेरिकी टैरिफ बढ़ाने की संभावित चेतावनी, घरेलू और वैश्विक आर्थिक दबाव, तथा प्रमुख ब्लू-चिप शेयरों में बिकवाली ने बाजार पर लगातार दबाव बनाए रखा। विदेशी निधियों की लगातार निकासी ने भी बाजार की कमजोरी को और गहरा किया। इस दबाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में क्रमशः 1.84 फीसदी और 1.71 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को लाल निशान के साथ हुई, जब बीएसई सेंसेक्स 125.96 अंक गिरकर 85,636.05

पर खुला और अंततः 322.39 अंक की गिरावट के साथ 85,439.62 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 30.95 अंक गिरकर 26,297.60 पर खुला और सप्ताह की शुरुआत में 84.50 अंक की गिरावट के साथ 26,250.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार में गिरावट और तेज़ हो गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख शेयरों में बिकवाली के चलते सेंसेक्स 431.95 अंक गिरकर 85,007.67 पर खुला और 376.28 अंक की गिरावट के साथ 85,063.34 पर बंद हुआ।

निफ्टी भी 105.6 अंक की गिरावट के साथ 26,144.70 पर खुला और अंततः 71.60 अंक घटकर 26,178.70 पर बंद हुआ। बुधवार और गुरुवार को भी गिरावट का क्रम जारी रहा। गुरुवार को सेंसेक्स 780.18 अंक की गिरावट के साथ 84,180.96 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 263.90 अंक गिरकर 25,876.85 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सप्ताह का समापन भी लाल निशान के साथ हुआ, सेंसेक्स 604.72 अंक गिरकर 83,576.24 पर और निफ्टी 193.55 अंक गिरकर 25,683.30 पर बंद हुआ। बाजार के जानकारों का कहना है कि सप्ताह भर का प्रदर्शन यह संकेत देता है कि विदेशी निवेशकों की निकासी, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं और अमेरिका के संभावित टैरिफ वृद्धि की आशंका ने बाजार को दबाव में रखा।

दिसंबर में एसआईपी निवेश ने बनाया नया रिकॉर्ड; हुआ 31,002 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली । एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी मासिक आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड (एमएफ) में 28,054.06 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जिसमें एसआईपी की भूमिका सबसे अहम रही। इस महीने सिस्टैमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) ने अब तक का सबसे ज्यादा निवेश करते हुए एक नया रिकॉर्ड बनाया। एएमएफआई के आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में म्यूचुअल फंड एसआईपी के तहत निवेश बढ़कर 31,002 करोड़ रुपए हो गया, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। नवंबर में यह राशि 29,445 करोड़ रुपए थी। इससे पता चलता है कि छोटे निवेशकों का भरोसा अभी भी बना हुआ है। इतना ही नहीं, दिसंबर में गोल्ड ईटीएफ फंड में 11,647 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जो नवंबर में 3,742 करोड़ रुपए था। इससे स्पष्ट है कि निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश की ओर बढ़ा है। हालांकि म्यूचुअल

फंड इंडस्ट्री में दिसंबर में 66,591 करोड़ रुपए की निकासी दर्ज की गई, जबकि नवंबर में 32,755 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ था। हालांकि निवेश घटा है, फिर भी कुछ कैटेगरी में अच्छी हिस्सेदारी बनी रही। एएमएफआई के मुताबिक, दिसंबर में सभी इक्विटी फंड कैटेगरी में नवंबर की तुलना में निवेश कम हुआ, लेकिन फ्लेक्सी-कैप फंड सबसे आगे रहे। फ्लेक्सी-कैप फंडों में निवेश बढ़कर 10,019 करोड़ रुपए हो गया, जबकि नवंबर में यह 8,135 करोड़ रुपए था। लार्ज-कैप फंड्स में दिसंबर में 1,567 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जबकि नवंबर में यह 1,640 करोड़ रुपए था। वहीं, मिड-कैप फंड में 4,176 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया, जो नवंबर के 4,487 करोड़ रुपए से कम है। स्मॉल-कैप फंड में दिसंबर में 3,824 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जबकि नवंबर में यह 4,407 करोड़ रुपए था। सेक्टर और थीम आधारित फंड्स में निवेश में 49 प्रतिशत की गिरावट आई। दिसंबर में इस कैटेगरी में 946 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जबकि नवंबर में यह 1,865 करोड़ रुपए था। डेट म्यूचुअल फंड से दिसंबर में 1.32 लाख करोड़ रुपए की निकासी हुई, जो नवंबर में 25,692.63 करोड़ रुपए थी। ओवरनाइट फंड्स में दिसंबर में 254.25 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जबकि नवंबर में इसमें 37,624.5 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था। लिक्विड फंड्स से दिसंबर में 47,307.95 करोड़ रुपए की निकासी दर्ज की गई, जो नवंबर से अधिक है। हाइब्रिड स्कीम्स में दिसंबर में 10,755.57 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जबकि नवंबर में यह 13,299.20 करोड़ रुपए था। आर्बिट्राज फंड्स में भी इस महीने 126.31 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जबकि नवंबर में इसमें 4,191.90 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया था।

सीजन की शुरुआत में ही औंधे मुंह गिरे आलू के दाम, किसान बेहाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। सीजन की शुरुआत होते ही देशभर की मंडियों में आलू के दाम तेजी से गिर गए हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि कई स्थानों पर किसानों को अपनी लागत भी नहीं मिल पा रही है। कीमतों में भारी गिरावट से परेशान किसान मजबूरी में अपनी उपज सड़कों पर फेंकने को विवश हैं। थोक बाजार के साथ-साथ खुदरा बाजार में भी आलू सस्ता हो गया है। जानकारों के मुताबिक आलू के दाम गिरने की सबसे बड़ी वजह पिछले साल का भारी स्टॉक है, जो अब भी बड़ी मात्रा में कोल्ड स्टोरेज में भरा पड़ा है। इसके अलावा अनुकूल मौसम के चलते इस साल भी आलू की बंपर पैदावार की उम्मीद है। पुराना आलू खराब होने के डर से बाजार में उतारा जा रहा है, वहीं नए आलू की आवक भी लगातार बढ़ रही है। इससे मंडियों में सप्लाई मांग से कहीं अधिक हो गई है। उत्तर प्रदेश की प्रमुख मंडी आगरा में आलू के थोक भाव एक महीने में 900-1,250 रुपये प्रति क्विंटल से घटकर 500-650 रुपये रह गए हैं।

केंद्र सरकार ग्रोक पर कानूनी कार्रवाई पर कर रही विचार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ईलॉन मस्क के स्वामित्व वाले एआई चैटबॉट ग्रोक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रही है। यह कदम ग्रोक द्वारा महिलाओं और बच्चों की आपत्तिजनक तस्वीरें बनाने के मामलों के कारण उठाया जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ग्रोक अन्य सोशल मीडिया अकाउंट की तरह सामग्री तैयार करता है, और अगर यह गैरकानूनी है तो इसके खिलाफ भी वही कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि ग्रोक का तस्वीर बनाने का फीचर अब केवल भुगतान करने वाले प्रीमियम उपयोगकर्ताओं तक सीमित है, सूचना और प्रौद्योगिकी

मंत्रालय के अधिकारी कहते हैं कि जब तक एक्स (पूर्व में ट्विटर) इसे भारत की आधिकारिक नीति के रूप में नहीं अपनाता, तब तक कार्रवाई की संभावना बनी रहती है। मंत्रालय ने एक्स को नोटिस भेजकर पूछा था कि ग्रोक ने महिलाओं और बच्चों की आपत्तिजनक सामग्री बनाने की अनुमति कैसे दी। इस नोटिस के जवाब में एक्स ने जो विवरण भेजा, वह अधिकारियों को संतोषजनक नहीं लगा। उन्होंने कहा कि इसमें उन कदमों का उल्लेख नहीं था जो प्लेटफॉर्म ने आपत्तिजनक सामग्री बनाने वाले उपयोगकर्ताओं के खिलाफ उठाए। सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक्स को पत्र लिखा कि समयसीमा के भीतर गैरकानूनी सामग्री को तुरंत हटाया जाए और साक्ष्यों को प्रभावित न किया जाए। इसके एक दिन बाद ईलॉन मस्क ने चेतावनी दी कि ग्रोक का उपयोग करके गैरकानूनी सामग्री बनाने वालों को उसी तरह के परिणाम भुगतने होंगे जैसे अवैध सामग्री अपलोड करने वालों को भुगतने पड़ते हैं।

आरबीआई के यूडीजीएएम पोर्टल से घर बैठे चेक करें अनक्लेम्ड बैंक डिपॉजिट

नई दिल्ली। अक्सर लोग सोचते हैं कि सालों तक इस्तेमाल न होने पर बैंक खाते का पैसा खत्म हो जाता है। लेकिन वास्तविकता में जमा राशि सुरक्षित रहती है और उसे अनक्लेम्ड डिपॉजिट में दर्ज किया जाता है। ऐसे पैसे को खाताधारक या उनके वारिस कभी

भी क्लेम कर सकते हैं। आरबीआई ने इस समस्या को आसान बनाने के लिए अनक्लेम्ड डिपाजिट गेटवे टू एसेस इंफारमेशन (यूडीजीएएम) पोर्टल लॉन्च किया है। अब अलग-अलग बैंकों की शाखाओं में जाने की बजाय घर बैठे यह पता लगाया जा सकता है कि आपके या परिवार के नाम पर कोई राशि अनक्लेम्ड है या नहीं। पोर्टल पर नाम, जन्मतिथि जैसी जानकारी भरें। पुराने रिकॉर्ड में नाम अलग तरीके से दर्ज हो सकता है, इसलिए अलग-अलग स्पेलिंग से सर्च करना बेहतर होता है। अगर पोर्टल पर एंट्री मिलती है, तो बैंक से संपर्क करें। खाताधारक आसानी से क्लेम कर सकता है। कानूनी वारिस के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेजों की जरूरत होती है। 10 साल बाद भी पैसा आरबीआई के डीईएएफ में ट्रांसफर होने के बाद क्लेम किया जा सकता है।

होम लोन इंश्योरेंस में ऑनलाइन विकल्प से बढ़ सकती है सुरक्षा और बचत

नई दिल्ली। भारत में होम लोन अब केवल एक अल्पकालिक वित्तीय जरूरत नहीं रह गया है, बल्कि यह एक लंबी अवधि की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बन चुका है। बढ़ती प्रॉपर्टी कीमतों के कारण लोन की राशि और अवधि दोनों बढ़ गई हैं, जिसके चलते होम लोन इंश्योरेंस की आवश्यकता भी पहले से कहीं ज्यादा महसूस हो रही है। इस इंश्योरेंस का मुख्य उद्देश्य उधारकर्ता की असमय मृत्यु या अन्य अप्रत्याशित स्थितियों में परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। आजकल ऑनलाइन होम लोन इंश्योरेंस तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। डिजिटल माध्यम से

ली जाने वाली पॉलिसियों में प्रीमियम कम होता है और ग्राहकों को शर्तों, कवरेज और लागत की स्पष्ट जानकारी मिलती है। इससे ग्राहक अपनी जरूरतों के अनुसार पॉलिसी का सही चुनाव कर सकते हैं। वहीं बैंक और अन्य लेंडर्स द्वारा ऑफलाइन पॉलिसी की पेशकश की जाती है, जो अक्सर उच्च प्रीमियम, कमीशन और प्रशासनिक खर्चों के साथ होती है। इसके अलावा, ऑफलाइन पॉलिसी में लचीलापन की कमी और क्लेम की राशि का सीधे बैंक को मिलना जैसे मुद्दे भी सामने आते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि होम लोन इंश्योरेंस का चुनाव करते समय केवल सुविधा और बैंक की पेशकश पर ध्यान न देकर, लागत, पारदर्शिता और लचीलापन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सही पॉलिसी परिवार की वित्तीय सुरक्षा को मजबूती देती है और खर्च कम करने में मदद करती है।

बदलती सोच और डेटिंग स्टाइल ने स्प्लिट्सविला शो को बनाया दर्शकों का फेवरेटः सनी लियोनी

डेटिंग और रियलिटी शो की दुनिया में एमटीवी स्प्लिट्सविला हमेशा से खास जगह रखता आया है। पिछले कई सालों में यह शो दर्शकों के बीच लोकप्रिय होता जा रहा है और अब 16वें सीजन के साथ यह एक बार फिर नए ट्विस्ट और रोमांच के साथ लौट रहा है। इस बार का सीजन स्प्लिट्सविला एक्स6: प्यार या पैसा नाम से दर्शकों के सामने आएगा, जिसमें प्यार और पैसों के बीच प्रतियोगियों की जंग दिखाई जाएगी। इस सीजन को सनी लियोनी होस्ट कर रही हैं। सनी ने कहा, स्प्लिट्सविला मेरे लिए हमेशा खास रहा है क्योंकि यह हर पीढ़ी के बदलते प्यार और रिश्तों की कहानी को दर्शाता है। समय के साथ न सिर्फ प्रतियोगियों की सोच बदली है, बल्कि डेटिंग का तरीका और प्यार की समझ भी बदल गई है। इस सीजन में भावनाओं और रिश्तों की परीक्षा पहले से कहीं ज्यादा होगी। प्रतियोगियों को अपने रिश्तों और दोस्ती की ताकत दिखानी होगी, जबकि ट्विस्ट और खेल की रणनीतियां उनके रास्ते में बाधा डालेंगी। इस बार शो में करण कुंद्रा को को-होस्ट के रूप में शामिल किया गया है। करण पिछले छह सालों में एमटीवी से दूर थे। अपनी वापसी को लेकर करण कुंद्रा ने कहा, शो के साथ जुड़कर मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं घर लौट आया हूं। सनी लियोनी के साथ शो होस्ट करना मेरे लिए रोमांचक अनुभव है, क्योंकि उन्हें शो की अच्छी समझ है। मुझे यह देखने में भी बेहद मजा आएगा कि प्रतियोगी पैसा और प्यार दोनों में क्या चुनेंगे। इस सीजन में निया शर्मा और उर्फी जावेद को भी शामिल किया गया है। इनका काम प्रतियोगियों को चुनौती देना और खेल में बाधाएं डालना होगा। वे हर कदम पर प्रतियोगियों को उलझाएंगी और उन्हें अपने निर्णयों पर दोबारा सोचने के लिए मजबूर करेंगी। इस बार शो में कुल 32 लड़के और लड़कियां हिस्सा लेंगे, जो अपनी रणनीति और समझदारी के बल पर जीतने की कोशिश करेंगे। सनी और करण दोनों ने बताया कि इस बार शो को हफ्ते में तीन बार प्रसारित किया जाएगा, जिससे दर्शकों को ज्यादा रोमांच, ड्रामा और मनोरंजन मिलेगा। हर एपिसोड में नए ट्विस्ट देखने को मिलेंगे। स्प्लिट्सविला शो 9 जनवरी से शुरू होगा। ये एमटीवी चैनल और ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर शाम 7 बजे उपलब्ध होगा।

तापसी पन्नू को पैसे नहीं, पहचान की भूख; बोलीं-मैं यहां तिजोरी भरने नहीं आई

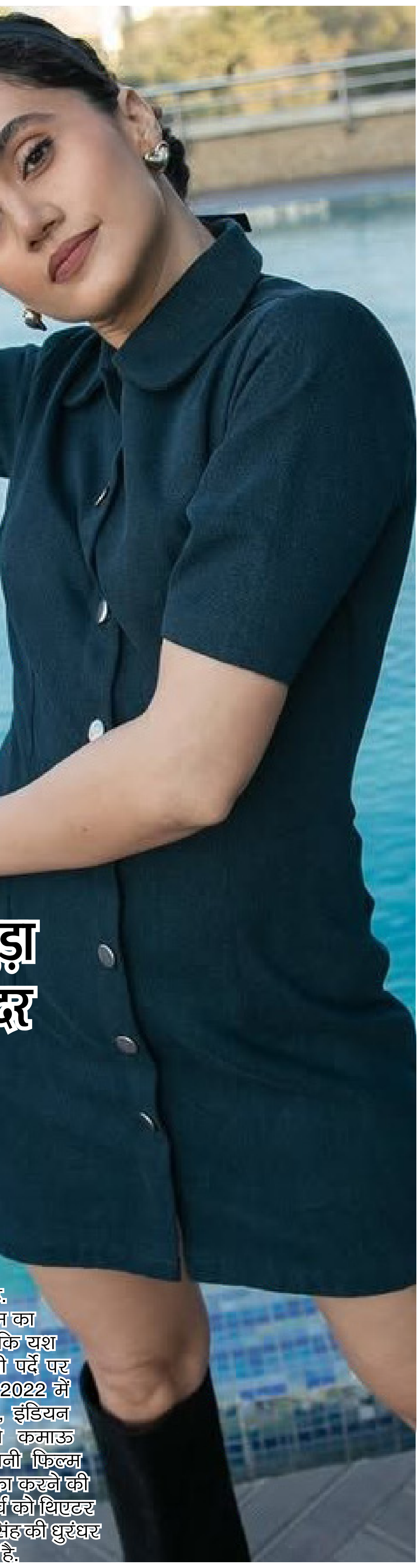

बॉलीवुड की बेबाक अभिनेत्रियों में शुमार तापसी पन्नू ने फिर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान और संघर्ष पर खुलकर बात की है। एक ताजा इंटरव्यू में तापसी ने साफ कर दिया कि वो यहां किसी की फोटो कॉपी बनने नहीं आई हैं, बल्कि अपनी एक ऐसी राह बनाने आई हैं, जिस पर चलने की हिम्मत कम ही लोग जुटा पाते हैं। तापसी ने साफ कहा कि वो उन फिल्मों को तवज्जो नहीं देतीं, जो उनका बैंक अकाउंट भरती हों। फिल्म इंडस्ट्री में एक बाहरी कलाकार के तौर पर अपने सफर और सबसे बड़ी सीख के बारे में बात करते हुए तापसी ने बेहद गहराई से अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि इस ग्लैमरस दुनिया में अपनी जगह बनाना कभी आसान नहीं रहा और ना ही कभी होगा। जब उनसे पूछा गया कि बाहरी होने के नाते उन्होंने क्या सीखा तो उन्होंने सीधा जवाब दिया, यही कि यह सफर कभी आसान नहीं होगा। तापसी बोलीं, अगर आप वो चीज पाना चाहते हैं, जो पहले किसी को नहीं मिली तो आपको वह करना होगा, जो पहले किसी ने नहीं किया। मुझे ये याद रखना है कि मेरा काम भविष्य की पीढ़ियों के लिए है। मैं जो कुछ भी करती हूं, उसे अपने जीवन के हर पड़ाव पर गर्व के साथ अपना सकूं, यही मेरी कोशिश रहती है। मैं यहां किसी की नकल बनने नहीं आई हूं। मैं अपनी शर्तों पर काम करती हूं। तापसी बोलीं, अगर मैं किसी और की नकल करूंगी तो मैं उसकी कॉपी बनकर रह जाऊंगी। हर किसी को एक अनूठा व्यक्तित्व मिला है। मुझे अपनी खुद की पहचान तलाशनी है, क्योंकि एक स्थायी प्रभाव छोड़ने का यही सबसे अच्छा तरीका है। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें एहसास हुआ कि वो उन फिल्मों में बेहतर काम करती हैं, जहां उनका दिल और दिमाग पूरी तरह से उस किरदार के साथ जुड़ा हो, जिसे वो पर्दे पर जी रही होती हैं। तापसी के मुताबिक, जब कलाकार खुद उस प्रोजेक्ट से जुड़ा महसूस करता है, तभी उसका दर्शकों के साथ एक गहरा जुड़ाव बन पाता है। अब तापसी केवल अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनती हैं। वो उन फिल्मों को नहीं चुनतीं, जो उनके बैंक अकाउंट को भरें, बल्कि वो फिल्में चुनती हैं, जो बतौर कलाकार उनकी क्षमताओं को चुनौती दें। तापसी बोलीं, मैं पैसों के पीछे नहीं भागती। मेरा मकसद नया रास्ता बनाना है, जिस पर अक्सर लोग चलने से कतराते हैं। तापसी जल्द ही फिल्म गांधारी में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है। कनिका ढिल्लों द्वारा निर्देशित और लिखित यह फिल्म एक मां-बच्चे के भावनात्मक रिश्ते पर आधारित है। मुल्क 2, वो लड़की है कहां और हसीन दिलरुबा 3 भी तापसी के पास हैं।

टॉक्सिक का खतरनाक टीजर रिलीज, कार वाला सीन छुड़ा देगा पसीना, राया बनकर यश ने कब्रिस्तान में मचाया गदर

साउथ सुपरस्टार यश आज अपना 40वां बर्थडे मना रहे हैं. इस मौके पर एक्टर को फैंस और सेलेब्स से बधाइयों का तांता लग चुका है. यश ने भी अपने फैंस को रिटर्न गिफ्ट दे दिया है. यश की मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक से आज एक्टर के 40वें बर्थडे पर बड़ा तोहफा मिल ही गया. यश के फैंस को इस तोहफे का बेसब्री से इंतजार था, क्योंकि बीती 7 जनवरी की शाम को फिल्म मेकर्स ने अपडेट दिया था कि 8 जनवरी की सुबह फिल्म टॉक्सिक से बड़ा अपडेट आएगा और आज यश की इस मास फिल्म के बड़े अपडेट से पर्दा हट गया है. टॉक्सिक का खतरनाक टीजर रिलीज हो गया है. 2.51 मिनट के टॉक्सिक के टीजर ने कहर ढा दिया है. टीजर यश की एंट्री को लेकर तैयार किया है, जो बहुत ही धमाकेदार है. टीजर इतना खतरनाक और बवालिया है कि अब बॉक्स ऑफिस पर तबाही होने से कोई नहीं रोक सकता है. टीजर की शुरुआत कब्रिस्तान से होती है, जहां कुछ नामी-ग्रामी लोग किसी अपने को दफनाने आते हैं और

कब्रिस्तान पर ताला लगा देते हैं, ताकि कोई अंदर ना घुसे. इसके बाद जो धमाका होता है, वो देखने के बाद किसी के भी रोंगटे खड़े हो सकते हैं. गीतू मोहनदास ने यश को बतौर राया इंट्रोड्यूस किया है कि बताया भी नहीं जा सकता है, लेकिन यश ने भी दिखा दिया कि वो भी किसी धुरंधर से कम नहीं हैं. टॉक्सिक का टीजर देखने के बाद यकीनन किसी के लिए भी फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार करना मुश्किल हो जाएगा. यश का डायलॉग डेडीस होम बवाल मचाने वाला है. बता दें, यश स्टारर फिल्म टॉक्सिक से अभी तक पांच एक्ट्रेस नयनतारा, कियारा आडवाणी, रुक्मिणी वसंत, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी हो चुका है. गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी फिल्म टॉक्सिक साल 2026 की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है. यश के फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि यश पूरे चार साल बाद फिल्मी पर्दे पर लौट रहे हैं. यश ने साल 2022 में फिल्म केजीएफ 2 दी थी, इंडियन सिनेमा की चौथी सबसे कमाऊ फिल्म है. अब यश अपनी फिल्म टॉक्सिक से भी यही धमाका करने की फिराक में हैं. वहीं, 19 मार्च को थिएटर में टॉक्सिक और रणवीर सिंह की धुरंधर 2 एक साथ भिड़ने जा रही है.

सोशल मीडिया सिर्फ प्रमोशन का जरिया नहीं, समाज में सकारात्मकता फैलाने का भी प्लेटफॉर्म : अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट कर प्रशंसकों के साथ जुड़ी रहती हैं। खास बात है कि वह इस प्लेटफॉर्म को केवल अपनी फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं मानतीं। उनके लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां वह लोगों को प्रेरित कर सकती हैं, जागरूकता फैला सकती हैं और दूसरों की जिंदगी में खुशी ला सकती हैं। न्यूज एजेंसी से खास बातचीत में अदा ने सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा की। अदा से जब पूछा गया कि आज के समय में वह सोशल मीडिया को कितना महत्व देती हैं तो उन्होंने बताया, मेरे लिए सोशल मीडिया का मतलब सिर्फ फिल्मों या प्रोजेक्ट्स का प्रमोशन नहीं है। यह एक एक ऐसी जगह है, जहां कई सकारात्मक काम किए जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, मैं हाथियों के कल्याण के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर्स के साथ मिलकर काम करती हूं। अदा ने सोशल मीडिया के महत्व पर एक उदाहरण देते हुए बताया, हाथी बाहर से बहुत बड़े और मजबूत लगते हैं, लेकिन जब इंसान उन्हें कैद में रखते हैं, जैसे सर्कस में, तो उनकी हालत बहुत बुरी हो जाती है। सर्कस में हाथियों की पीठ पर भारी वजन रखा जाता है, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी टूट जाती है। उन्हें पीटा जाता है और वे दर्द में भी चुप रहते हैं क्योंकि बोल नहीं सकते। मैंने कई वीडियो पोस्ट किए, जिसे देखकर कई लोगों ने बताया कि उन्हें पहले नहीं पता था कि हाथी की सवारी करना गलत है। सर्कस में हाथियों की स्थिति देखकर दिल टूट जाता है। इतने बड़े जानवर को इंसान घुटनों के बल ला देते हैं। मैं सोशल मीडिया के जरिए ऐसी चीजों को उजागर करती हूं। उन्होंने बताया, इसके अलावा, मैं स्ट्रीट डॉग्स के एडॉप्शन को बढ़ावा देने और प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने की भी अपील सोशल मीडिया के जरिए करती हूं। इसके परिणाम काफी सकारात्मक रहे हैं। मैं शाकाहारी हूं और अपने नाश्ते या खाने की तस्वीरें डालती हूं, सच बताऊं तो इससे कई लोग प्रेरित होकर शाकाहारी बन चुके हैं। शाकाहारी भोजन में भी भरपूर प्रोटीन होता है। इससे मांसपेशियां, ताकत, स्टैमिना, सुंदरता, अच्छी त्वचा और बाल सब कुछ मिल सकता है। लोग गलत समझते हैं कि मजबूत बनने के लिए केवल मांसाहार जरूरी है। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के 10 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इसलिए अदा मानती हैं कि उन्हें भी कुछ वापस देना चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए वह यही करती हैं। अदा ने बताया, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई तनाव में है। अगर एक वीडियो या पोस्ट से किसी के चेहरे पर मुस्कान आ जाए या किसी का दिन अच्छा बन जाए, तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

आशुतोष राणा की फिल्म वन टू चा चा चा का टीज़र रिलीज़ः प्यार, पागलपन और धमाकेदार हंगामे की झलक, रिलीज तारीख जारी

पेलुसिडार प्रोडक्शन ने अपनी आगामी फिल्म वन टू चा चा चा का पहला टीज़र जारी कर दिया है, और यह टीज़र बिल्कुल भी मामूली नहीं है।कैप्शनमें लिखा गया—प्यार - हंसी.. गोलियां - पटाखेज् ड्रग्स - गुंडे.. उदासी - पागलपन .. जेलब्रेक - दिल टूटना—वास्तव में दर्शकों को एकज़बरदस्त,हाई-वोल्टेज सफ़र के लिए तैयार करता है। पोस्ट का अंत दर्शकों को यह चेतावनी देता है: तैयार हो जाइएज् यह सफ़र अब शुरू होता है! टीज़र में दिखाई गई दुनिया जोरदार, रंगीन और इमोशनल है। तेज़ कट्स में गोलियों की आवाज़, हंगामे भरे डांस फ्लोर, कॉमिक पल और एकरोमांचक जेलब्रेक सब कुछ शामिल है। हर फ्रेम में पागलपन और ड्रामा का तड़का है, जो फिल्म के अजीबोगरीब और मनोरंजक नाम को पूरी तरहजस्टिफाई करता है. एक रंगदारी के दौरान एक ग्रुप की गाडी और माल चोरी हो जाता है, और वही से शुरू होता हैं एक धमाकेदार सफर जिसमे हमेंआशुतोष राणा, ललित प्रभाकर, अनंत वी. जोशी, अभिमन्यु सिंह, मुकेश तिवारी, हर्ष मायर और नायरा बनर्जी जैसे दमदार कलाकार नजर आते हैं।टीज़र में उनकी छोटी-छोटी झलकियाँ दर्शकों को एक रोलरकोस्टर कहानी का अहसास कराती हैं—जहाँ हर किरदार अपने अंदाज़ में अनोखाऔरमनोरंजक लगता है। अभिषेक राज खेमका और रजनीश ठाकुर द्वारा निर्देशित, और एम. आर. शाहजहाँ के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में जुड़ने से यह फिल्म एकऐसाकॉकटेल पेश करती है जिसमें कॉमेडी, क्राइम, ड्रामा और हाई-ऑक्टेन तमाशा बराबर मात्रा में मौजूद है। टीज़र देखकर लग रहा है कि फिल्म कायेसफ़र बिल्कुल धीमा नहीं होगा। वन टू चा चा चा 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। अगर इस पहले लुक से कोई अनुमान लगाया जाए, तो दर्शक कमर कस लें—यह सफ़र बहुत जल्दी रुकेगा नहीं।

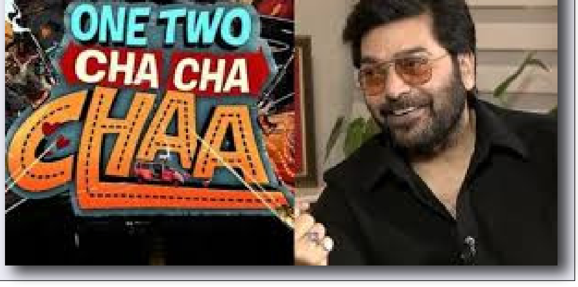

बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर : 850 करोड़ के करीब रणवीर सिंह की फिल्म, क्या प्रभास की द राजा साब लगा पाएगी ब्रेक?

रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर इंडियन सिनेमा की धुरंधर फिल्म साबित हुई है. यह एक ऑलटाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म बनने की ओर बढ़ रही है. फिल्म अपनी रिलीज के 34 दिन पूरे कर चुकी है और चौंकाने वाली बात यह है कि फिल्म की कमाई भले ही कम हुई है, लेकिन ब्रेक नहीं लगा है. अभी भी धुरंधर करोड़ फिगर में कमा रही है. 34वें दिन का कलेक्शन बताता है कि फिल्म धुरंधर अभी भी नहीं रुकने वाली है. लेकिन आज 9 जनवरी को प्रभास की द राजा साब रिलीज होने जा रही है. जाहिर है कि साउथ थिएटर से अब धुरंधर के पोस्टर हटने शुरू हो जाएंगे, लेकिन द राजा साब के लिए नॉर्थ मार्किट में धुरंधर को हराना मुश्किल हो सकता है. चलिए जानते हैं धुरंधर के कुल कलेक्शन के बारे में और द राजा साब पहले क्या कमाल करेगी इस पर भी बात करेंगे. धुरंधर आज अपना 5वां हफ्ता पूरा करने जा रही है. धुरंधर ने बीते दिन पुष्पा 2 के हिंदी कलेक्शन को पछाड़ने के बाद बॉक्स ऑफिस पर अपना कहर जारी रखा है. धुरंधर ने डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 34वें दिन 4.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. इसी के साथ धुरंधर का घरेलू कलेक्शन 836.15 करोड़ रुपये हो गया है. धुरंधर का जलवा अभी जारी है. धुरंधर इंडियन सिनेमा की सिंगल भाषा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एकमात्र फिल्म बन गई है. वहीं, धुरंधर

वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर भारत की चौथी सबसे कमाऊ फिल्म बन गई है. फिल्म ने लिस्ट में आरआरआर को एक पायदान नीचे खिसका दिया है. अब धुरंधर के सामने दंगल, बाहुबली और पुष्पा 2 का रिकॉर्ड बचा है. कल 9 जनवरी को प्रभास की हॉरर-कॉमेडी फिल्म द राजा साब रिलीज होगी. यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जो तेलुगू, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में रिलीज होगी. सैकनिल्क की मानें तो द राजा साब भारत में 3492 शोज के लिए 1,23,987 टिकट सेल कर 3,38,42,167 रुपये कमा चुकी है. वहीं, तेलुगु के बाद हिंदी में सबसे ज्यादा 40725 टिकट सेल हुए हैं. यानी 36वें दिन धुरंधर की कमाई पर बड़ा असर दिखने वाला है. वहीं, अगर थलपति विजय की फिल्म जन नायकन भी 9 जनवरी को रिलीज थी, लेकिन किसी कारणवश फिल्म अपनी रिलीज से एक दिन पहले पोस्टपोन हो गई है.

रिलीज हुआ तस्करी-द स्मगलर्स वेब का ट्रेलर, इमरान हाशमी ने स्मगलिंग रैकेट को खत्म करने की खाई कसम

फिल्म हक के बाद इमरान हाशमी अपनी नई सीरीज तस्करी-द स्मगलर्स वेब के जरिए अपने फैंस को एक तोहफा देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मेकर्स ने इसका ट्रेलर लॉन्च किया। ट्रेलर में लुका-छुपी का खेल नजर आया है। इसमें तस्कर चीजों को छिपाना अपनी कला मानते हैं, वहीं इमरान हाशमी चीजों को ढूंढने में अपनी महारत समझते हैं। 2 मिनट 29 सेकेंड के ट्रेलर में नजर आ रहा है कि इमरान हाशमी एक कस्टम अफसर हैं। उनको सस्पेंड कर दिया गया है। देश के जिम्मेदार देश में तस्करी रोकना चाहते हैं इसलिए वह उन अधिकारियों की तलाश करते हैं जो ईमानदार हैं। ऐसे में इमरान हाशमी समेत तीन कस्टम ऑफिसर्स का सस्पेंशन रोका जाता है। इसके बाद ये लोग विलेन के रूप में नजर आए शरद केलकर को तस्करी से रोकते हैं। ट्रेलर में इमरान हाशमी ने अपने तेवर दिखाए हैं। अमृता खानविलकर ने इमरान हाशमी का साथ दिया है। शरद केलकर विलेन के रूप में जमे हैं। नंदी सिंह संधू ने भी अच्छी अदाकारी की है। इंस्टाग्राम पर ट्रेलर जारी करते हुए नेटफ्लिक्स ने लिखा है अपनी कुर्सी की पेटी बांध लें। तस्करों, खराब लैंडिंग के लिए तैयार हो जाओ, क्योंकि अब सब कुछ स्कैन होगा। तस्करी- द स्मगलर्स वेब 14 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

Haryana cops claim strong proof to nail coach in shooter POCSO case

New Delhi,Agency: A senior Haryana Police officer who is part of the probe into the sexual assault allegations levelled by a national-level minor shooter against her coach, Ankush Bhardwaj, on Saturday said investigators had gathered strong evidence against the accused.

"We have collected several strong pieces of evidence, including CCTV footage from the Faridabad hotel where the alleged incident took place as well as mobile phone location data of both the accused and the victim. We have also spoken to the hotel staff," said the police officer.

Bhardwaj, who remains absconding, was booked under the Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act on January 6 for allegedly sexually assaulting the 17-year-old shooter he was mentoring.

Another senior police officer said three teams—two from the crime unit and one from the Faridabad women police station—were conducting raids to arrest the accused. He said a dedicated team was also camping in Mohali, where Bhardwaj had been residing. Meanwhile, the Haryana State Commission for Women took cognisance of the case on Friday. Terming it "extremely sensitive", commission chairperson Renu Bhatia wrote to the Faridabad Police Commissioner, seeking a thorough and time-bound investigation. "The case should be investigated by a dedicated police officer and a detailed report should be submitted to the commission within a stipulated timeframe," read the letter.The FIR, based on allegations of sexual assault of the 17-year-old national-level shooter, was registered at the women police station, NIT,

Faridabad, on January 6. Following this, the coach was suspended from his role by the national shooting federation. According to the complaint, the alleged incident took place on December 16, 2025, during the shooter's participation in a national-level championship at Dr Karni Singh Shooting Ranges in south Delhi. The victim has been into the sport since 2007 and came in touch with Bhardwaj, who was a coach of the Indian shooting team, in August 2025. The victim alleged that the coach first asked her to meet him in the lobby of a hotel in the Surajkund area of Faridabad to analyse her match performance. However, she alleged that upon her arrival, he coerced her into his room on the pretext that a "more focused discussion was required" and sexually assaulted her. The victim alleged that the coach threatened to ruin her sporting career and harm her family if she disclosed the incident. She said she remained silent for several days before narrating the ordeal to her mother on January 6, after which the FIR was registered. A case has been registered under Section 6 of the POCSO Act and Section 351(2) of the BNS. "The accused is absconding and our three teams are on the job to arrest him," said Faridabad police spokesperson Yashpal Yadav.

Telangana bans Almont-Kid Syrup after alert from CDSCO'

New Delhi,Agency: The Telangana Drugs Control Administration on Saturday issued an urgent advisory directing the immediate discontinuation of Almont-Kid Syrup, a medicine commonly prescribed to treat allergies, hay fever, and asthma in children, after it was allegedly found adulterated with ethylene glycol, a highly toxic substance.

In a notification, the DCA said it received an alert from the Central Drugs Standard Control Organisation, East Zone, Kolkata, based on a laboratory report that declared the syrup, containing levocetirizine dihydrochloride and montelukast sodium, as adulterated. "In light of the above, the public is hereby strongly advised to immediately stop using the above syrup, if in possession, and report the same to the nearest Drugs Control Authority without delay," the DCA said. The public may also report possession of the product directly to the Drugs Control Administration, Telangana, through the toll-free number provided, it added.

Karnataka government orders parking rule tweaks at Bengaluru airport

Bengaluru,Agency: The govt has directed Bangalore International Airport Limited (BIAL) to modify its recently introduced parking and pick-up regulations at Kempegowda International Airport (KIA), asking that vehicles be allowed to come up to the arrival gates to reduce hardship for passengers.

The decision was taken on Friday following a visit by chief secretary Shalini Rajneesh, after widespread complaints from passengers and taxi operators over long walking distances and restricted vehicle access.

While broadly accepting BIAL's justification for the new parking system, the govt intervened on what it termed "specific" issues, including passengers being

forced to walk long distances to reach parked vehicles, restrictions on yellow-board taxis, and the reduction of bus bays. "On Friday... it was decided that BIAL will make modifications to the existing parking rules to ease the troubles of passengers. The modifications will have to be completed within one week," an official said.

Shalini told MEDIA: "The state govt is satisfied with the resolution of BIAL and has agreed to certain modifications based on our mutual discussions. Specifically, while agreeing to have passengers' private vehicles parked in P4, the vehicles should come to the arrival gates and passengers should not be walking all the way to the parking lot."

BIAL had earlier defended its decision to restrict vehicles from arrival gates, stating it was aimed at reducing "artificial congestion". According to the airport operator, nearly 100 cars were entering the arrival area at a time and taking up to 10 minutes to clear after picking up passengers.

On passenger facilitation, Shalini said the govt has also asked Karnataka State Tourism Development Corporation (KSTDC) to operationalise the help desk at Terminal 1. "The help desk at T1 was not operational on account of renovations," she explained. Addressing concerns raised by yellow-board vehicle operators and taxi drivers, the chief secretary said the matter was discussed, with instructions given to KSTDC to simplify the registration process.

Mahayuti likely to promise Rs 5L interest-free Ladki loans

Mumbai,Agency: The Mahayuti is likely to announce a Rs 5 lakh interest free loan to beneficiaries of the Ladki Bahin Scheme to help them start a micro enterprise, said sources. Open spaces across Mumbai will be exclusively maintained by the BMC with no private participation are some of the major promises to be announced in the Mahayuti manifesto.

The manifesto will be released on Sunday jointly by CM Devendra Fadnavis and Dy CM Eknath Shinde. Sources said amongst the major announcements are completion of all roads in cement concrete with utility corridor, a Rs 17,000 crore budgetary provision for envt and setting up of an Envt Protection Authority on the lines of Tree Authority, an innovation hub and use of AI and digital platforms to increase transparency in administration. BJP city chief Ameet Satam said the manifesto has been prepared after seeking opinion from Mumbaikars.

Hyderabad shocker: Woman poisons 11-month-old son before suicide; faced marital disputes

Hydrabad,Agency: A 27-year-old woman in Hyderabad allegedly poisoned her 11-month-old son before dying by suicide at her home near Meerpet on Friday, police said.

Authorities said the woman, identified as Sushmitha, had been facing marital disputes with her husband, Yashwanth Reddy.

According to police, she allegedly administered poison to her son, Ashwanth Nandan Reddy, and subsequently ended her own life.

Sushmitha's mother, Lalitha, 50, discovered the deaths and reportedly attempted suicide. She is now receiving treatment at a local hospital.

Bitha Sanjeeva Reddy, Sushmitha's uncle, filed a complaint following the incident. Police have registered a case and are investiating the circumstances surrounding the deaths.

Hydroponic ganja worth 13 crore seized from flyer at RGIA in Hyderabad

Hyderabad, Agency: Customs officials at Rajiv Gandhi International Airport (RGIA) foiled a narcotics smuggling bid late Thursday, seizing 12.95kg of high-grade hydroponic ganja valued at 12.95 crore. Acting on specific intelligence, the air intelligence unit (AIU) of the customs department intercepted a man, who arrived from Bangkok on an AirAsia flight (FD118) which landed at 11.12pm on Jan 8. On searching his checked-in baggage, officials found 13 vacuum-sealed packs concealed under the false base in a suitcase. Field testing confirmed the substance as premium hydroponically grown cannabis, having high market value for its potency. The passenger, whose identity has been withheld, was arrested and a local court remanded him to judicial custody on Friday. Customs investigators are analysing his call records and travel itineraries to trace his accomplices and funding channels. Hyderabad customs commissioner C

Shashidhar Rao appreciated the AIU team, saying that enhanced profiling and surveillance at the airport have resulted in several sizeable seizures of contraband and electronic items in recent months. Earlier, on Nov 11, 2025, customs officials intercepted 4.3kg of hydroponic weed worth 4 crore from another passenger who arrived from Bangkok. In a separate case on the same day, they confiscated high-end electronics, including 65 iPhones, 20 Apple Watches and eight drones, among other gadgets, worth 71.7 lakh from two passengers arriving from Abu Dhabi.

Nippon Paint India plans Rs 200 crore investments

Chennai,Agency: Nippon Paint India, part of NIPSEA Group — a subsidiary of Nippon Paint Holdings of Japan, is investing Rs 200 crore. The company is also expanding into new markets in the country.

"In terms of special projects, which include creating capacities in our existing plants, adding more factories, acquiring new companies or factories, we are looking at an excess of Rs 200 crore of investments within the next 12 months to 18 months. In addition to our existing facilities, we are adding two factories in the north, which are brownfield expansions," Sharad Malhotra, managing director, Nippon Paint India told reporters here on Friday. With seven manufacturing plants across the country, the company is looking to step up investments to expand beyond its traditionally strong southern markets and strengthen its pan-India distribution footprint.

72 species of butterflies and moths at Anna University

Chennai,Agency: In the middle of the city's dense concrete landscape, 72 species of butterflies and moths found refuge in the greenery inside the Anna University campus.

A six-month survey conducted at the campus recorded 72 species belonging to 13 families and 59 genera, making it one of the more diverse insect inventories documented within the city.

The study carried out by the National Centre for Sustainable Coastal Management (NCSCM) recorded the Nymphalidae family, commonly known as brush-footed or four-footed butterflies, as the most dominant group, with 23 species accounting for nearly 32% of total relative abundance. This was followed by Erebidae (moths) with 10 species, Pieridae (whites and yellows) with 9 species, Papilionidae (swallowtails) with 6 species, Geometridae (loopers) with 5 species, and Crambidae (grass moths) and Lycaenidae (blues) with 4 species each. Six other families were represented by a single species. The findings matter because butterflies are widely regarded as ecological indicators, responding quickly to changes in habitat quality, climate, and vegetation.

"Despite the high level of urbanisation in the study area, 72 species of

Lepidoptera were recorded," said S Vijayan, corresponding author of the study. "Due to their sensitivity to different seasons and climates, butterflies are considered 'ecological indicators'. They contribute to plant diversity by serving as effective pollinators.

A lot of fruit plants exist on the campus, helping to maintain Lepidoptera species diversity."

The study directly linked the dominance of the Nymphalidae family to the diversity and abundance of host plants on campus. Species recorded included the Common tiger (Danaus genutia), Common crow (Euploea core), and Lemon pansy (Junonia lemonias). The presence of flowering plant families such as Fabaceae (legume), Rutaceae (rue or citrus), Euphorbiaceae (spurges), Compositae (daisy), and Rubiaceae (madder) was found to be closely associated with higher butterfly richness.

"The majority of the Nymphalidae family members are able to flourish in a range of environments. Many species in this family are very active and can fly well, which may be useful for them while scouting for resources over wide stretches of the ground," Vijayan said.

However, the moths told a more fragile story. The Erebidae family, often abundant in less urbanised areas, showed reduced diversity within the metro setting, an effect the study attributed to habitat loss and host plant removal.